7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 विरासत गलियारा: सपाइयों का विरोध, धक्का–मुक्की

5 गोंडा जिले का कुख्यात भू- माफिया जेल में था निरुद्ध- हार्ट अटैक से मौत- दर्ज थे 43 केस

8 भारत को 5 विकेट से मिली हार

UPHIN51019 | वर्ष: 03, अंक: 01 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 30 जून,2025

पंचायत चुनाव की तैयारी तेज

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों के परिसीमन की प्रक्रिया आज से शुरू होगी। 4 से 8 जुलाई तक आपत्तियां ली जाएंगी। नगर क्षेत्र में गांवों के शामिल होने से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए वार्डों का आंशिक परिसीमन होगा। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों की तैयारियां और तेज कर दी गई हैं। ग्राम पंचायतों के परिसीमन की प्रक्रिया शनिवार से शुरू होगी। ग्राम पंचायतवार जनसंख्या का निर्धारण 28–30 जून के बीच होगा। प्रस्तावित वार्डों पर आपत्तियां 4 जुलाई से 8 जुलाई के बीच ली जाएंगी। इसके लिए शासन ने विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है।

अगले साल अप्रैल–मई में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होंगे। राज्य में नई नगर पंचायत, नगर पालिका और नगर निगम बनाए जाने और पुराने निकायों के सीमा विस्तार के कारण प्रभावित ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन होगा। शासन के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक, सभी जिलों से पुनर्गठन की प्राथमिक सूचना मिल चुकी है। अब

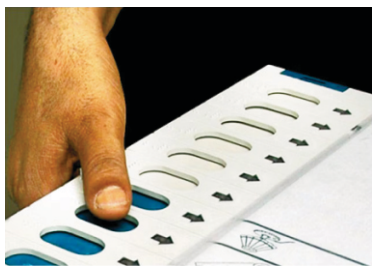

निर्वाचन प्रक्रिया के अगले चरण में प्रभावित जिलों में संबंधित ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के वार्डों के आंशिक परिसीमन के संबंध में आपत्तियां लेने, उनके निस्तारण और अंतिम सूची के प्रकाशन के लिए समयसारिणी निर्धारित कर दी गई है।

इसके अनुसार, ग्राम पंचायतवार जनसंख्या का निर्धारण 28–30 जून के बीच किया जाएगा। ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) की प्रस्तावित सूची की तैयारी और उसका प्रकाशन 1 जुलाई से 3 जुलाई के मध्य होगा।

अंतिम सूची का प्रकाशन 12 जुलाई से 14 जुलाई के बीच

4 जुलाई से 8 जुलाई तक आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। आपत्तियों का निस्तारण 9 जुलाई से 11 जुलाई तक किया जाएगा। वार्डों की अंतिम सूची का प्रकाशन 12 जुलाई से 14 जुलाई के बीच होगा। सभी जिलाधिकारियों से कहा गया है कि वे ये अंतिम सूची 16 जुलाई तक पंचायतीराज निदेशालय को उपलब्ध करा दें। शासनादेश में यह भी कहा गया है कि 2026 में होने वाले पंचायत चुनाव के मद्देनजर इस समयसारिणी का पालन हर हाल में किया जाए। जिन जिलों में नगर निकायों के सृजन या विस्तार के कारण कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, वे भी इसकी सूचना उपलब्ध कराएं।

ये ग्राम पंचायतें होंगी प्रभावित

पंचायत चुनाव–2021 के बाद कई जिलों में नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद व नगर निगम के सृजन और सीमा विस्तार के चलते कई ग्राम पंचायतों की जनसंख्या 1000 से कम हो गई है। आंशिक परिसीमन के तहत शहरी क्षेत्रों में शामिल ग्राम पंचायतों को हटाने और बचे हुए राजस्व ग्रामों को नजदीकी ग्राम पंचायत में शामिल किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम के अनुसार, राज्य सरकार एक हजार आबादी वाले ग्राम या ग्रामों के समूह को पंचायत क्षेत्र घोषित कर सकती है। ऐसी ग्राम पंचायत जिसका एक राजस्व ग्राम नगरीय निकाय में शामिल हो गया है और वो ग्राम पंचायत बनाने का मानक पूरा नहीं करता है, तो उसे नजदीकी ग्राम पंचायत में शामिल कर दिया जाएगा।

इसी तरह से कोई ग्राम पंचायत नगरीय क्षेत्र में शामिल हो गई है और उसका कोई शेष राजस्व ग्राम, ग्राम पंचायत बनाने के लिए मानक पूर्ण करता है तो उस दशा में उस राजस्व ग्राम को ग्राम पंचायत बनाया जा सकता है। एकल राजस्व ग्राम के नाम से गठित ग्राम पंचायत अगर आंशिक रूप से प्रभावित हुई है, पर उसकी जनसंख्या 1000 हो तो वह ग्राम पंचायत यथावत बनी रहेगी।

दिल्ली में 34वें आम महोत्सव का शुभारंभ

स्कूल प्रबंधक की हत्या

गोरखपुर,संवाददाता। क्षेत्र के फतेहपुर गांव के रामनगर टोले पर शनिवार की सुबह एक स्कूल प्रबंधक की हत्या से सनसनी फैल गई। स्कूल के बरामदे में सो रहे प्रबंधक के सिर और गले पर कई वार कर हत्या की गई। घटना से करीब सौ मीटर की दूरी पर खून से सनी कुल्हाड़ी भी मिली। घर वाले फिलहाल हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं बता पा रहे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने को मेडिकल कॉलेज देवरिया भेज दिया।

रामनगर के रहने वाले धनंजय पाल 55 वर्ष गांव में अपनी जमीन पर डीडीएम पब्लिक स्कूल खोल रखे थे। वह स्कूल में ही हर रात सोने चले जाते थे। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की रात भोजन करने के बाद वह स्कूल में सोने चले गए। शनिवार की सुबह करीब पांच बजे पड़ोस के लोगों ने बरामदे में पड़े तख्त पर उनकी लाश देखी। गले और चेहरे पर कई वार किए थे।

चेहरा बुरी तरह से कुल्हाड़ी के वार से कट गया था। घटना की सूचना पर सीओ हरिराम यादव ने पहुंच कर जांच शुरु की। घटना पर क्षेत्रीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस घटना का कारण पता लगाने में जुटी है। दबे जुबां लोग घटना के पीछ स्कूल से जुड़ा विवाद होना बता रहे है। सीओ ने कहा कि पुलिस जांच में जुटी है।

सनसनीखेज हत्या को लेकर फिर चरचा में आया फतेहपुर

रुद्रपुर। सनसनीखेज हत्या को लेकर शनिवार की सुबह जिले में एक बार फिर फतेहपुर गांव चरचा में आ गया। 2 अक्टूबर 2023 को फतेहपुर गांव के लेहड़ा टोले पर छह हत्याओं से लोग दहल गए थे।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव की हत्या के बाद आक्रोशित भीड़ ने प्रतिशोध में सत्यप्रकाश दूबे के परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी थी। स्कूल प्रबंधक धनंजय पाल की हत्या के बाद एक बार फिर फतेहपुर गांव में सुर्खियों में आ गया। घटना को लेकर अफवाहों का बाजार भी गर्म रहा।

बजट खर्च न करने पर 21 ग्राम पंचायतों के सचिवों का रुका वेतन

संवाददाता, गोंडा। बजट होने के बावजूद विकास कार्य न कराने पर जिले की 21 ग्राम पंचायतों के सचिव फंस गए हैं। इन गांवों में केंद्रीय व राज्यवित्त आयोग से आवंटित 58 लाख 86 हजार रुपये डंप हैं। डीपीआरओ ने संबंधित सचिवों का वेतन रोकने के साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी की है।

गांवों में विकास कार्य कराने के लिए पंचायतीराज विभाग केंद्रीय व राज्य वित्त आयोग से बजट उपलब्ध कराता है। धनराशि के खर्च की आनलाइन निगरानी सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से की जाती है। जिले की 23 ग्राम पंचायतें ऐसी हैं, जहां बजट अधिक डंप है। इससे जिले की प्रगति खराब है।

डीपीआरओ लालजी दुबे ने ग्राम पंचायत अधिकारी जितेंद्र कुमार, नीलम रानी, संतोष कुमार मिश्र, पवन कुमार गौतम, जितेंद्र कुमार मौर्य, सबाना परवीन, राम अजोर व राम मोहन वर्मा के जून का वेतन भुगतान रोक दिया है। संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी करके स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं, दस ग्राम विकास अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र जिला विकास अधिकारी को भेजा गया है, इनका भी वेतन भुगतान रोकने के कारण बताओ नोटिस जारी करने की संस्तुति की गई है। सीडीओ अंकिता जैन ने विकास भवन स्थित कार्यालय में बैठक करके सीएम डैश बोर्ड में शामिल योजनाओं की समीक्षा की। विभागवार अधिकारियों को प्रगति में सुधार लाने के निर्देश दिए गए हैं। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को चेतावनी दी गई है।

युवक की पिटाई...कैमरे में कैद करते बोला, 'हथवा तूड़ द'

गोरखपुर,संवाददाता। विडुलपुर के टोला भगवानपुर निवासी भोलू निषाद उम्र 20 वर्ष पुत्र राम निवास निषाद को मामूली बात पर गोलबंद होकर तीन युवकों ने 13 जून को खेत में जमकर पिटाई की। उसका इलाज गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। इलाज के दौरान 21 जून की रात्रि उसकी मृत्यु हो गई। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के विठ्ठलपुर गांव में पिटाई से घायल युवक की मौत के बाद उसकी पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमे दो युवक उसे बेरहमी से लाठी– डंडे से पीट रहे है और एक शख्स घटना का वीडियो बना रहा है। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी वीडियो की पुष्टि नहीं करता। घटना 13 जून की बताई जा रही है, जिसमे पिटाई के बाद मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार किया है। विडुलपुर के टोला भगवानपुर निवासी भोलू निषाद उम्र 20 वर्ष पुत्र राम निवास निषाद को मामूली बात पर गोलबंद होकर तीन युवकों ने 13 जून को खेत में जमकर पिटाई की। उसका इलाज गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में चल रहा था। इलाज के दौरान 21 जून की रात्रि उसकी मृत्यु हो गई। मृतक नासिक में रहकर मजदूरी करता था। 10 दिन पहले घर आया था। वह पांच बहनों में अकेला भाई था । उससे बड़ी दो बहनों की शादी हो चुकी है। मृतक की मां दुर्गावती देवी की तहरीर पर पुलिस बिठ्ठलपुर निवासी रतनदीप, सिहोरचक के राज निषाद व एक अज्ञात युवक के खिलाफ मारपीट कर हाथ पैर तोड़ने का केस दर्ज की।

गंगा के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी से खादर क्षेत्र में बसे गांवों की बढ़ी बेचैनी

संवाददाता, बहादुरगढ़। गंगा का लगातार बढ़ रहा जलस्तर खादर क्षेत्र में बसे गांवों में बेचैनी बढ़ा रहा है। शुक्रवार को गंगा का जलस्तर 198.00 सेंटीमीटर को पार करके यलो अलर्ट की तरफ बढ़ना शुरू हो गया है। इससे गंगा किनारे बसे गांवों में बेचैनी बढ़नी शुरू हो गई है। गंगा की रेती में बोआई की गई पालेजों में पानी भरना शुरू हो गया है। इससे उनके नष्ट होने का खतरा बढ़ गया है।

गढ़मुक्तेश्वर गंगा की तलहटी में रामपुर न्यामतपुर, कुदैनी की मंढैया, भगवंतपुर, नयागांव, नयाबांस, काकाठेर, गढ़ावली, लठीरा आदि गांव बसे हुए है। इन गांवों में करीब 40 हजार से अधिक की आबादी रहती है। पहाड़ी इलाकों में वर्षा होने के साथ ही गंगा में ऊफान आने लगा है। इसके कारण गढ़मुक्तेश्वर के खादर क्षेत्र में गंगा किनारे बसे उपरोक्त गांवों में बाढ़ आने की संभावना बनने लगी है।

बहादुरगढ़ में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ने से खादर क्षेत्र के गांवों में बेचैनी बढ़ गई है। 198.00 सेंटीमीटर पार करने के बाद यलो अलर्ट जारी हो गया है। गंगा किनारे बसे गांवों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है, जिससे रेती में बोई गई तरबूज, खरबूज जैसी फसलें जलमग्न हो रही हैं और नष्ट होने लगी हैं। इससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। आवागमन बाधित हो रहा है और बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी हो रही है।

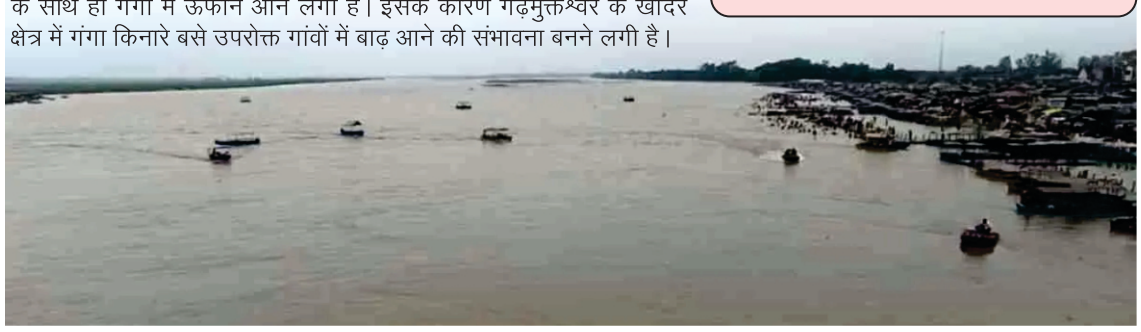

सम्पादकीय

अमीरी बढ़ रही है और गरीबी घट रही है

अमीरी बढ़ रही है और गरीबी भी अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाधन रह जा रहे हैं। अरविन्द मोहन मध्यवर्ग को लेकर चाहे जो कन्फ्यूजन हो यह हर कोई मान रहा है कि अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाधन रह जा रहे हैं। अरबपतियों की बढ़ती संख्या या कुछ परिवारों के रिकार्ड दर पर अमीर होते जाने का खेल न भी भूलें तब भी यह मानना होगा कि हमारे मध्य वर्ग का एक हिस्सा उदारीकरण के इन वर्षों में अमीर वर्ग में शामिल हुआ है । कोयला घोटाला : कुछ प्रश्न भारतीय मध्य वर्ग सिकुड़ रहा है या बढ़ रहा है यह बात हमारी अर्थव्यवस्था पर नजर रखने वालों के लिए एक पहेली बना हुआ है। और सरकार द्वारा जनगणना कराने में अनावश्यक देरी होने के चलते ही नहीं उपभोक्ता सर्वेक्षण समेत काफी सारे सर्वेक्षणों पर रोक लगाने या उनके नतीजे सामने न लाने के चलते भी इस सवाल का विश्वसनीय जबाब देना मुश्किल हो रहा है। हाल में जिस तरह से कार बाजार में स्टाक का रिकार्ड बनता जा रहा है, अर्थात बिक्री से ज्यादा कार बन रहे हैं, वह बताता है कि मध्य वर्ग को लेकर इस बाजार के जानकार चूक कर रहे हैं। दूसरी ओर पिछले डेढ़–दो वर्ष मे शहरी मकानों की बिक्री में जो तेजी दिखी है और मकान बनाने के अंदर जो बदलाव हुए हैं वे बताते हैं कि बड़े मकानों की मांग बढ़ रही है, साल भर में दामों मे लगभग एक तिहाई (दिल्ली एनसीआए में एक साल में 34 फीसदी) की तेजी के बावजूद रियल इस्टेट बाजार तेज है। इतना ही नहीं अब एक या दो बेडरूम के फ्लैट बनने और बिकने कम हो गए हैं। इसी तरह छोटी कारों की बिक्री कम होने के सांथ ही अब दोपहिया वाहनों, खासकर मोटरसाइकिलों की बिक्री में भी कमी दिखने लगी है। वैसे कुल मिलाकर ग्रामीण उपभोक्ता बाजार भी बढ़ना बंद कर चुका है। ।सेव त्मंक – प्रकृति का पर्यावरण मध्यवर्ग को लेकर चाहे जो कन्फ्यूजन हो यह हर कोई मान रहा है कि अमीर वर्ग का आकार और अर्थव्यवस्था में हिस्सा बढ़ता गया है और गरीब वर्ग कम हो न हो लेकिन अर्थव्यवस्था में उसके हिस्से कम संसाधन रह जा रहे हैं। अरबपतियों की बढ़ती संख्या या कुछ परिवारों के रिकार्ड दर पर अमीर होते जाने का खेल न भी भूलें तब भी यह मानना होगा कि हमारे मध्य वर्ग का एक हिस्सा उदारीकरण के इन वर्षों में अमीर वर्ग में शामिल हुआ है और काफी लोग नीचे भी धकेले गए हैं। बजट से पहले पेश आर्थिक सर्वेक्षण ही बताता है कि हमारे समाज के शीर्ष का एक तिहाई हिस्सा 77.8 फीसदी हिस्से पर काबिज है जबकि गरीबों वाले एक तिहाई हिस्से के पास 6.4 फीसदी संसाधन ही रह गए हों। अब इसी से यह बात समझ आती है कि पांच किलो मुफ़्त अनाज योजना के दायरे में अस्सी करोड़ लोग क्यों हैं। और उनकी संख्या कम करने या यह योजना रोकने की हर कोशिश का राजनैतिक विरोध क्यों हो रहा है। अगर देश की आबादी 1.4 अरब मानें तब भी यह संख्या तो तिहाई आबादी को कवर करती है अर्थात शीर्ष अमीर जमात के अलावा सबको। और कथित मध्य वर्ग ऐसी हालत में है कि उसे पांच किलों मुफ्त अनाज लेना (और बदले में राजनैतिक लाभ देना अर्थात वोट देने में) कोई अनैतिक काम नहीं लगता। ।सेव त्मंक – प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय अनुचित अब सरकार चाहे चार लाख तक की आमदनी को कर से मुक्त रखे और 12.75 लाख की आमदनी को कई तरह की शर्तों और बचत के साथ कर मुक्त कर दे लेकिन बाजार के जानकार, जिनका मतलब उपभोक्ता अर्थात कंज्यूमर से होता है, मानते हैं कि देश में शीर्ष दस फीसदी अर्थात करीब 14 करोड़ लोग अमीर या उच्च –मध्यवर्ग के हैं और वे पंद्रह हजार डालर तक खर्च करने लगे हैं। 2019 से 2024 के बीच यह रकम बारह हजार से बढ़कर पंद्रह हजार डालर हुई है। एक ओर उनका औसत खर्च पांच साल में बीस फीसदी बढ़ा है तो अगले 23 फीसदी लोगों का खर्च तीन हजार डालर साल पर रुक सा गया है। बाजार के जानकार इनको 'कंज्यूमर रिलक्टेंट पर्चेजर्स्य कहते हैं। अब यह दोनों हिसाब रुपए में बदलने पर भी सरकारी आयकर की परिभाषा या गिनती से कितना अलग है यह बताने की जरूरत नहीं है पर यह कहीं न कहीं यही बताता है कि हमारा कथित मध्य वर्ग अभी भी सामान्य उपभोग पर महीने में पचीस हजार रुपए से ज्यादा खर्च नहीं करता। और सरकार जिन्हें बचत या निवेश के आधार पर कर मुक्त रखने की घोषणा कर रही है वे असल में इसी शीर्ष वाले दस फीसदी के लोग हैं। ।सेव त्मंक – शुभांशु शुक्ला से क्या पूछेंगे मोदीजी अब आप रियल इस्टेट की कीमतों में अचानक आई तेजी और बड़े घरों की मांग बढ़ने या बड़ी कारों की मांग बढ़ने जैसे सच पर गौर करते हैं तब यह बात समझ आती है कि मुंबई की कीमतें ऐसी हो गई हैं कि एक आदमी की सौ साल से भी ज्यादा की बचत एक ठीक ठाक मकान दिलवाने लायक नहीं रह गई है। महानगरों में कोई तीन बेडरूम फ्लैट करोड़ से नीचे का नहीं है और मध्य आकार वाले शहर भी वहीं पहुंचने वाले हैं। अगर औसत खर्च पचीस हजार करना भारी पड़ता है तो सत्तर–पचहत्तर हजार महीने की किस्त देकर कौन फ्लैट ले सकता है। सो सिर्फ मुफ़्त या सस्ते राशन पर जोर नहीं पड़ रहा है बल्कि इंदिरा आवास और पीएम आवास योजनाओं जैसे कार्यक्रमों में भारी घूसखोरी और भीड़ है। आधी रकम तक ऊपर बंट जाती है, ऊपर मतलब मोदी–शाह नहीं जिला और ब्लाक के अधिकारियों से लेकर गांव के प्रधान और कर्मचारी तक। और इसके राजनैतिक लाभ घाटे भी साथ जुड़े हैं। इतना ही नहीं महंगे घर और फ्लैट या गाड़ियों में दोहरा–तिहरा आर्डर भी इन्हीं सबसे जुड़ा है– वहां कोई अंबानी या अडानी छद्मनामों से बुकिंग कराने नहीं जाते। इसी नोएडा में जितने बिल्डर फेल हुए और सरकार ने एनबीसीसी के माध्यम से जिन परियोजनाओं को पूरा कराया उनमें कितने फीसदी बुकिंग वाले आए ही नहीं। यह प्रतिशत और नाम नेताओं और अधिकारियों अर्थात नवधनाढ्य वर्ग की सच्चाई को सामने ला सकता है लेकिन इसमे किसी की रुचि नहीं दिखती। उस पीड़ित वर्ग की भी नहीं जिसकी जिंदगी भर की कमाई इन परियोजनाओं में फंसी पड़ी थी। सो भारत में अगर करखनिया उत्पादन के आंकड़े गिर रहे हैं, एसेम्बलिङ्ग को उत्पादन माना जाने लगा है और खेती–किसानी को बोझ तो अर्थव्यवस्था का ऐसा बेडौल स्वरूप उभरेगा ही। यह आर्थिक गैर बराबरी और उपभोग के स्तर का अंतर ही भ्रष्टाचार का असली जनक है। इसका लाभ समाज का ताकतवर जमात ज्यादा उठाता है–नीचे के लोगों में भी सुधार की जगह इसी होड़ में शामिल होने का रास्ता आसान लगता है। इसलिए राजनैतिक सामाजिक आंदोलन ठप्प होकर भक्ति समुदाय बढ़ रहा है। और भक्त बनाने वाले पांच किलो राशन से लेकर आशीर्वाद बांटने के काम को प्राथमिकता दे रहे हैं। अगर वे भ्रष्टाचार खत्म कारण एके नाम पर शासन में आते हैं तब भी उनकी रुचि दूसरे कामों में ज्यादा हों जाती है। और जिस मध्य वर्ग को इस सब की ज्यादा चिंता होती रही है वह ऊपर जाने की होड़ में है। वह कब नीचे धकेल दिया जाएगा इसकी समझ भी उसको नहीं है।

चुनाव आयोग

देश में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव करवाने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग का गठन किया गया था और इसमें आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान इस तरह से रखा गया था । देश में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव करवाने के उद्देश्य से निर्वाचन आयोग का गठन किया गया था और इसमें आयुक्तों की नियुक्ति का प्रावधान इस तरह से रखा गया था कि उनके लिए बिना किसी दबाव के कार्य करने का माहौल बने। लेकिन पिछले कुछ बरसों में बार–बार चुनाव आयोग पर सवाल खड़े हो रहे हैं, जिससे इस स्वतंत्र संवैधानिक संस्था की साख ही नहीं, देश के लोकतंत्र को भी नुकसान हो रहा है। ईवीएम बेशक चुनाव की लंबी और जटिल प्रक्रिया को आसान बनाती है, लेकिन बार–बार दावे किए जाते हैं कि ईवीएम हैक हो सकती है। हालांकि चुनाव आयोग इसे नहीं मानता और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी यही माना है कि अभी ईवीएम का जो इस्तेमाल हो रहा है, वह ठीक है। अब ईवीएम के साथ–साथ मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोप लगने शुरु हो गए हैं। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में कांग्रेस ने आरोप लगाए हैं कि मतदाता सूची में बिना सत्यापन के नाम जोड़े गए हैं और फर्जी मतदान से बीजेपी को जिताया गया है। कुछ प्रश्न लेकिन आयोग ने ऐसे आरोपों को खारिज कर दिया। हालांकि प.बंगाल में ममता बनर्जी ने जब इस बात के सबूत दिए कि ईपीआईसी यानि मतदाता पहचान पत्र नंबर एक साथ दो–दो जगहों पर आबंटित हुआ है, जिसमें एक मतदाता प.बंगाल का है और उसके पास जिन अंकों वाला कार्ड है, उन्हीं अंकों वाला कार्ड दूसरे राज्य के मतदाता के पास भी है, तो फिर चुनाव आयोग की सफाई आई कि मतदाता सूची डेटाबेस को ईआरओएनईटी प्लेटफॉर्म में स्थानांतरित करने के कारण ऐसा हुआ होगा। अब उस गड़बड़ी को सुधारते हुए आयोग ने अद्वितीय ईपीआईसी नंबर जारी करने का फैसला लिया। यानी गड़बड़ी हुई है, भले सायास न हो। ।सेव त्मंक – प्रकृति का पर्यावरण अब महाराष्ट्र को लेकर कांग्रेस ने कुछ गंभीर सवाल उठाए थे कि पांच साल में जितने मतदाता नहीं बढ़े, उससे ज्यादा पांच महीने में कैसे बढ़ गए। चुनाव आयोग मशीन रिडेबल फार्म में मतदाता सूची क्यों उपलब्ध नहीं करा रहा है। इन सवालों के साथ राहुल गांधी ने हाल ही में एक लेख भी लिखा था और फिर से पूछा था कि चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में मुख्य न्यायाधीश को हटाकर केन्द्रीय मंत्री को क्यों शामिल किया गया। जब आयुक्त के पद पर कौन बैठेगा यह फैसला प्रधानमंत्री और उनके केन्द्रीय मंत्री ले लेंगे तो फिर नेता प्रतिपक्ष की राय चाहे जो हो, वह मानी ही नहीं जाएगी। लेकिन विडंबना है कि नेता प्रतिपक्ष की आपत्तियों और सवालों को सरकार तो हल्के में ले ही रही है, चुनाव आयोग का रवैया भी ऐसा ही हो गया है। हालांकि राहुल गांधी सवाल उठाना नहीं छोड़ रहे। मतदान के वीडियो फुटेज पहले एक साल रखने का नियम था, अब आयोग ने उसे 45 दिन कर दिया है, तब भी राहुल गांधी ने आयोग पर सबूत मिटाने के आरोप लगाए थे। अब फिर से महाराष्ट्र की हाईप्रोफाइल नागपुर दक्षिण पश्चिम सीट पर उन्होंने सवाल किए हैं। दरअसल मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस की इस सीट पर लोकसभा चुनाव 2024 और विधानसभा चुनाव के बीच के मात्र छह महीनों में 29,219 नए वोटर जोड़े गए। यानी औसतन हर दिन 162 वोटर। यह वृद्धि 8.25 प्रतिशत है, जो चुनाव आयोग के तय 4 प्रतिशत की सीमा से दुगनी है। प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय अनुचित अगर यह सीमा पार होती है तो वहां मतदाताओं के अनिवार्य सत्यापन की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं किया गया। न्यूज़ लॉन्ड्री की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है, जिसके बाद राहुल गांधी ने मंगलवार को ट्वीट किया – महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में, मतदाता सूची में केवल 5 महीनों में 8फीसदी की वृद्धि हुई। कुछ बूथों पर 20–50फीसदी की वृद्धि देखी गई। बीएलओ ने अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वोट डालने की सूचना दी। मीडिया ने बिना सत्यापित पते वाले हजारों मतदाताओं का पता लगाया। और चुनाव आयोग? चुप – या मिलीभगत। ये अलग–अलग गड़बड़ियां नहीं हैं। यह वोट चोरी है। कवर–अप ही कबूलनामा है। इसलिए हम डिजिटल मतदाता सूची और सीसीटीवी फूटेज को तुरंत जारी करने की मांग करते हैं। शुभांशु शुक्ला से क्या पूछेंगे मोदीजी बता दें कि न्यूज़लॉन्ड्री की रिपोर्ट के अनुसार, 50 बूथों में कम से कम 4,393 वोटरों के पते दर्ज नहीं हैं। जबकि चुनाव आयोग की प्रक्रिया के अनुसार फॉर्म 6 के साथ घर के पते का प्रमाणपत्र देना अनिवार्य है, और बीएलओ द्वारा मौके पर जाकर सत्यापन किया जाना चाहिए। लेकिन स्थानीय बूथ लेवल अधिकारियों का दावा है कि कई क्षेत्रों में ऐसी कोई जांच नहीं की गई। रिपोर्ट में कहा गया कि नागपुर द.पश्चिम विधानसभा के 378 बूथों में से 263 में वोटर की संख्या में 4 फीसदी से ज़्यादा वृद्धि देखी गई। इनमें से 26 बूथों में 20 फीसदी से ज़्यादा और 4 बूथों में 40फीसदी से ज़्यादा की वृद्धि दर्ज की गई। चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक ऐसी वृद्धि होने पर जमीनी स्तर पर सत्यापन, सुपरवाइजर जांच और सीईओ स्तर पर सुपर–चेकिंग अनिवार्य है। लेकिन न्यूज़लॉन्ड्री ने जिन ब्लॉक अधिकारियों से बात की, उनमें से कई ने बताया कि उन्हें जिला चुनाव कार्यालय से फॉर्म थोक में मिले, और अधिकांश के पते या व्यक्ति उन्हें कभी मिले ही नहीं। नागपुर में वोटरलिस्ट धांधली का सबसे बड़ा सबूत है कि ईसीआई के नियमों का पालन नहीं हुआ या नहीं कराया गया। ग्राउंड पर तैनात अधिकारियों ने खुद ही वोटरलिस्ट का सत्यापन नहीं करने की बात स्वीकार की है। लेकिन चुनाव आयोग मतदाता सूची में कमी या बढ़त को इसलिए मामूली घटना मान रहा है क्योंकि माइग्रेशन अब बहुत सामान्य हो गया है। उसके मुताबिक अगर फॉर्म भरने वाले के पास कुछ दस्तावेज़ हैं और बीएलओ ने फील्ड वेरिफिकेशन कर लिया, तो हम उसे जोड़ देते हैं।य हालांकि नागपुर साउथ वेस्ट जैसी हाई–प्रोफाइल सीट पर अगर बड़े पैमाने पर बिना सत्यापन के वोटर जुड़ रहे हैं, तो यह चुनाव प्रणाली की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अगर बूथ स्तर के कर्मचारी खुद कह रहे हैं कि उन्हें नए वोटरों के बारे में जानकारी नहीं है, तो इसे मतदाता सूची में हेरफेर की तरह ही देखा जाना चाहिए। मगर आयोग यहां बेफिक्र दिख रहा है। नागपुर जिले की जनगणना के मुताबिक 2001 और 2011 के बीच 14 प्रतिशत की जनसंख्या वृद्धि बताती है। जो पिछले दशक की तुलना में कम थी। अगर आबादी में यकायक वृद्धि नहीं हो रही है, तो मतदाता सूची में संख्या कैसे बढ़ रही है, यह सोचने वाली बात है।

क्या है आपातकाल

यह सच है कि उस आपातकाल के दौरान देश के तमाम विपक्षी नेताओं और हजारों कार्यकर्ताओं को आंतरिक सुरक्षा कानून मीसा के तहत जेल में बंद कर दिया गया था। जो लोग गिरफ्तार नहीं किए जा सके थे उनके परिजनों को प्रताड़ित किया गया था। जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम के नाम पर लाखों लोगों की जबरन नसबंदी कर दी गई थी और सेंसरशिप के जरिये अखबारों के मुंह पर ताला लगा दिया था लेकिन उस दौरान कहीं सरकार प्रायोजित दंगे नहीं हुए थे और सांप्रदायिक व जातीय आधार पर लोगों को प्रताड़ित नहीं किया गया था। मगर मोदी राज के अघोषित आपातकाल में यह सब संगठित और सुनियोजित रूप से हो रहा है, जिसमें शासन–प्रशासन की भी पूरी भागीदारी है। दैत्याकार बुलडोजर समूची शासन व्यवस्था का प्रतीक बन गया है, जो कहीं विकास के नाम पर तो कहीं कानून–व्यवस्था के नाम पर कभी भी, किसी के भी कच्चे–पक्के मकान–दुकान को देखते ही देखते जमींदोज कर देता है। दूसरी तरफ केंद्र सहित देश के आधे से ज्यादा राज्यों में सत्तारूढ़ या सत्ता में भागीदारी कर रही भाजपा के भीतर भी हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृत्तियां मजबूत हुई हैं, जिनका लोकतांत्रिक मूल्यों और कसौटियों से कोई सरोकार नहीं है। आपातकाल के दौर में उस समय के कांग्रेस अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने चाटुकारिता और राजनीतिक बेहयाई की सारी सीमाएं लांघते हुए 'इंदिरा इज इंडिया–इंडिया इज इंदिरा' का नारा पेश किया था। आज भाजपा में तो अमित शाह, जेपी नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, देवेंद्र फडणवीस आदि से लेकर नीचे के स्तर तक ऐसे कई नेता हैं जो नरेंद्र मोदी को जब–तब दैवीय शक्ति बताने में कोई संकोच नहीं करते। वैसे इस सिलसिले की शुरुआत बतौर केंद्रीय मंत्री वेंकैया नायडू ने की थी, जो बाद में उप राष्ट्रपति बनाए गए। यह स्थिति सिर्फ सत्तारूढ़ दल की नहीं है।

आज देश मे लोकतंत्र के पहरुए कहे जा सकने वाले ऐसे संस्थान भी नजर नहीं आते जिनकी लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर प्रतिबद्धता संदेह से परे हो। आपातकाल के दौरान जिस तरह प्रतिबद्ध न्यायपालिका की वकालत की जा रही थी, आज वैसी ही आवाजें सत्तारूढ़ दल के साथ–साथ न्यायपालिका के किसी–किसी कोने से भी सुनाई दे जाती हैं। यही नहीं, सत्तारूढ़ दल की ओर से न्यायपालिका को नसीहत भी दी जा चुकी है कि वे फैसले ऐसे दे, जिन पर अमल किया जा सके। कई महत्वपूर्ण मामलों में तो अदालतों के फैसले भी सरकार की मंशा के मुताबिक ही आ रहे हैं। सूचना के अधिकार को निष्प्रभावी बनाया जा चुका है। हाल ही में चुनावों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और मतदाता सूचियों में गड़बड़ियों की गंभीर शिकायतें जिस तरह सामने आई हैं उससे हमारे चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली की साख पर सवालिया निशान लगे हैं।

विरासत गलियारा

सपाइयों का विरोध, धक्का–मुक्की

जमभ्दारों की जमीन पर बने मकान...अब मुआवजे पर पेंच

गोरखपुर,संवाददाता। इस मामले से जुड़े राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि वर्ष 1952 में यूपी में जमींदारी उन्मूलन एक्ट लागू हुआ। उससे पहले अधिकांश जमीन किसी न किसी रियासत या जमींदार की थी। एक्ट लागू होने के बाद जहां खेत था, उसका किसानों में बंटवारा हो गया। चकबंदी के दौरान उस पर किसानों का नाम दर्ज कर दिया गया, लेकिन जहां घर बन गए थे, उस जमीन की नवैयत (स्थिति) नहीं बदली। धीरे–धीरे लोगों ने कच्चे से पक्के मकान बनवा लिए, आपसी बंटवारा के बाद उनके स्वरूप में परिवर्तन आया।शहर में बन रहे विरासत गलियारा से प्रभावित दुकानदारों से मिलने जा रहे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधान परिषद में सपा के नेता लालबिहारी यादव को बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पांडेयहाता मोड़ पर रोक दिया। भाजपाइयों का आरोप था कि सपाई, दुकानदारों का उकसाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसी को लेकर सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं में आधे घंटे तक धक्का–मुक्की होती रही। इस दौरान एक सपा नेता की गाड़ी का शीशा भी टूट गया और उस पर लगा पार्टी का झंडा किसी ने निकाल दिया। बाद में पुलिस अफसरों ने भाजपा कार्यकर्ताओं को समझा–बुझाकर किनारे किया। इसके बाद सपा नेताओं ने विरासत गलियारा में जाकर प्रभावित दुकानदारों और मकान मालिकों से बात की। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने इसे विशेषाधिकार हनन का मामला बताया। उन्होंने कहा कि इस मामले को वह विधानसभा में उठाएंगे। वहीं लालबिहारी यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पूरे प्रकरण की जानकारी देने और उनके निर्देश पर अगला कदम उठाने की बात कही। रिकॉर्ड में नाम दर्ज न होने की वजह से विरासत गलियारा के लिए चौड़ीकरण से प्रभावित करीब 300 लोगों को जमीन का मुआवजा नहीं मिला है। बीते शनिवार की रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विरासत गलियारा के निरीक्षण के दौरान प्रभावित सभी लोगों को मुआवजा देने के निर्देश दिए थे।

इसके बाद ही बुधवार दोपहर करीब दो बजे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और सपा के वरिष्ठ नेता माता प्रसाद पांडेय, विधान परिषद में सपा दल के नेता लालबिहारी यादव, गोरखपुर ग्रामीण के पूर्व विधायक विजय बहादुर यादव आदि विरासत गलियारा के व्यापारियों से मिलने पहुंचे। पांडेयहाता पुलिस चौकी के पास भाजपा महानगर इकाई के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता की अगुवाई में खड़े भाजपा कार्यकर्ताओं ने सपा नेताओं का रास्ता रोक लिया और नारेबाजी करते हुए काले झंडे दिखाए। आरोप लगाया कि दुकानदारों को उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। सपा कार्यकर्ता रुकने के बजाय गाड़ी से उतरकर आगे बढ़ने लगे।

इस पर दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच धक्का–मुक्की शुरू हो गई। सपा नेताओं के काफिले में सबसे आगे चल रही राहुल यादव की गाड़ी पर मुक्का मारकर भाजपा कार्यकर्ता उसे पीछे ले जाने को कहने लगे।

इसी दौरान किसी ने गाड़ी के शीशे पर प्रहार कर दिया, जिससे वह टूट गया।

विरोध में सड़क पर धरना देने लगे नेता प्रतिपक्ष समेत सपाई

गाड़ी का शीशा टूटने और गलियारा में जाने से रोकने के विरोध में माता प्रसाद पांडेय, लालबिहारी यादव, विजय बहादुर यादव समेत मौजूद सभी कार्यकर्ता पांडेयहाता पुलिस चौकी के बगल में सड़क पर धरना देने लगे। इसके बाद मौके पर पहुंचे सीओ कोतवाली ओंकारदत्त तिवारी ने भाजपा कार्यकर्ताओं को समझाकर किनारे किया। इसके बाद सपा नेताओं ने विरासत गलियारा जाकर व्यापारियों से मुलाकात की। इसके बाद थवई पुल और जटाशंकर तिराहे पर भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने सपा नेताओं को काले झंडे दिखाए।

जमईदारों की जमीन पर बने मकान...अब मुआवजे पर पेंच

शहर के सबसे पुराने इलाके में से एक पांडेयहाता से धर्मशाला ओवरब्रिज तक साढ़े तीन किलोमीटर लंबे विरासत गलियारा के लिए जमीन का पेच प्रशासन के लिए सबसे बड़ी मुसीबत है। चौड़ीकरण की जद में आ रहे 833 में से 200 से अधिक मकान ऐसे हैं, जो जमींदारों की जमीन पर बने हैं। कभी खाली रही जमीन पर जमींदारी की सहमति से घर तो बना लिए गए, लेकिन कागज में नाम दर्ज कराने पर ध्यान नहीं दिया। अब जमीन जिनके नाम नहीं है, उनको मुआवजा भी नहीं मिल पा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद इस पेच को सुलझाने का उपाय खोजा जा रहा है। एक उम्मीद यह है कि जो जिस जमीन पर पुश्तों से निर्विवाद रूप से काबिज है, उन्हें इसका मुआवजा दिया जा सकता है।

इस मामले से जुड़े राजस्व विभाग के एक वरिष्ठ अफसर ने बताया कि वर्ष 1952 में यूपी में जमींदारी उन्मूलन एक्ट लागू हुआ।

उससे पहले अधिकांश जमीन किसी न किसी रियासत या जमींदार की थी। एक्ट लागू होने के बाद जहां खेत था, उसका किसानों में बंटवारा हो गया। चकबंदी के दौरान उस पर किसानों का नाम दर्ज कर दिया गया, लेकिन जहां घर बन गए थे, उस जमीन की नवैयत (स्थिति) नहीं बदली। धीरे–धीरे लोगों ने कच्चे से पक्के मकान बनवा लिए, आपसी बंटवारा के बाद उनके स्वरूप में परिवर्तन आया। नगर निगम में गृहकर व जलकर देने लगे। लोगों ने मान लिया कि मकान व जमीन उनकी ही है। दो साल पहले इस पांडेयहाता से घंटाघर होते हुए जटाशंकर तिराहा के रास्ते धर्मशाला ओवरब्रिज तक विरासत गलियारा बनाने का निर्णय हुआ।

घर में फंदे से झूलते मिला पत्नी का शव

पति डायल 112 में है तैनात जांच में जुटी पुलिस

गोरखपुर,संवाददाता। अमित राय अकोलवा में परिवार संग किराए के मकान में रहते थे। उनका एक आठ साल का बेटा और तीन साल की बेटी है। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार की सुबह वह ड्यूटी पर गए थे। बेटा डिवाइन पब्लिक स्कूल में पढ़ने गया था। बेटी के रोने की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग अंदर आए।शाहपुर थाना क्षेत्र के बिछिया अकोलवा में बृहस्पतिवार की सुबह एक सिपाही की पत्नी का शव फंदे से लटकता मिला।

सिपाही अमित राय डायल 112 में कैंट थाने में तैनात हैं। बताया जा रहा है कि साधना राय (32) पति के शराब की लत से परेशान थीं। सूचना मिलने पर सीमा के परिजनों ने शव को उतारने से मना कर दिया।

जानकारी के मुताबिक, अमित राय अकोलवा में परिवार संग किराए के मकान में रहते थे। उनका एक आठ साल का बेटा और तीन साल की बेटी है। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार की सुबह वह ड्यूटी पर गए थे। बेटा डिवाइन पब्लिक स्कूल में पढ़ने गया था। बेटी के रोने की आवाज सुनकर पड़ोस के लोग अंदर आए। तब साधना का शव पर्दे के फंदे से लटक रहा था। पड़ोस के लोगों ने शाहपुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने साधना के परिजनों को मामले के बारे में जानकारी दी। मायके वालों ने शव को उतारने से मना कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

आनलाइन होगी रजिस्ट्री

बदलेंगे जटिल नियम, रजिस्ट्रेशन एक्ट 1908 में बदलाव के लिए भेजे गए सुझाव

गोरखपुर,संवाददाता। केंद्र सरकार पुराने रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 को बदलने के लिए बिल लाने की तैयारी कर रही है। शासन के निर्देश पर डीआईजी स्टांप ने गोरखपुर मंडल में कमेटी गठित की थी, जिसमें गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज के एआईजी स्टांप के अलावा चौरीचौरा और महराजगंज के सब रजिस्ट्रार शामिल थे। जल्द ही देशभर में

जमीन–मकान की रजिस्ट्री का एक नियम होगा। अब ऑनलाइन रजिस्ट्री करा सकेंगे, निबंधन कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए सभी दस्तावेजों का विक्रय अनुबंध, पावर ऑफ अटॉर्नी और अन्य दस्तावेजों का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। दस्तावेजों को आधार कार्ड और पैन कार्ड से लिंक किया जाएगा। 117 साल पुराने रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 को बदलने के लिए प्रदेश के सभी 17 मंडलों के निबंधन कार्यालय से सुझाव मांगे गए थे, गोरखपुर मंडल में गठित छह सदस्यीय टीम के सुझाव मुख्यालय भेज दिए गए हैं।

केंद्र सरकार पुराने रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 को बदलने के लिए बिल लाने की तैयारी कर रही है। शासन के निर्देश पर डीआईजी स्टांप ने गोरखपुर मंडल में कमेटी गठित की थी, जिसमें गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज के एआईजी स्टांप के अलावा चौरीचौरा और महराजगंज के सब रजिस्ट्रार शामिल थे। कमेटी ने रजिस्ट्रेशन एक्ट के जटिल नियमों को सरल बनाने और रजिस्ट्री में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बिंदुवार सुझाव विभाग को सौंपे थे। सुझावों की समीक्षा के बाद दो दिन पहले रिपोर्ट मुख्यालय को भेज दी गई है। जानकारी के मुताबिक, रजिस्ट्री के सारे काम मैनुअल की जगह डिजिटल करने, हर प्रॉपर्टी को आईडी आधारित कराने, फर्जी रजिस्ट्री की जानकारी होने पर उसे निरस्त करने के लिए सब रजिस्ट्रार का अधिकार बढ़ाने, सभी दस्तावेज को ऑनलाइन अपलोड करने सहित 20 से ज्यादा बिंदुओ पर सुझाव भेजे गए हैं। साथ ही ऑनलाइन व्यवस्था में होने वाली समस्याओं और उनके समाधान के लिए भी सुझाव दिए गए हैं।

माना जा रहा है कि सभी मंडलों से सुझाव आने के बाद प्रदेश सरकार अपनी रिपोर्ट केंद्र को भेजेगी। रजिस्ट्रेशन एक्ट–1908 में बदलाव के लिए प्रदेश स्तर पर सुझाव मांगे गए थे। इसके लिए गोरखपुर मंडल में छह सदस्यीय कमेटी गठित की गई थी। कमेटी से मिले सुझावों की समीक्षा करने के बाद रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है।

– मनोज शुक्ला, डीआईजी, स्टांप

पहले साली का किया यौन शोषण

केस दर्ज, फिर चाकू से खुद पर हमला कर जीजा ने खा लिया जहर

गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के एक युवक की शादी गोरखनाथ क्षेत्र की युवती से हुई थी। इसके बाद युवक के भाई और साली में प्रेम प्रसंग चलने लगा। साली का आरोप है कि प्रेम प्रसंग की जानकारी के बाद जीजा ने धमकी देकर उसका यौन शोषण किया। गोरखनाथ क्षेत्र में एक युवक ने अपने पेट में चाकू मारने के बाद जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि साली ने उसपर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए की दर्ज कराया था। उसी के बाद उसने ऐसा कदम उठाया है।

जानकारी के मुताबिक, गीडा थाना क्षेत्र के एक युवक की शादी गोरखनाथ क्षेत्र की युवती से हुई थी। इसके बाद युवक के भाई और साली में प्रेम प्रसंग चलने लगा। साली का आरोप है कि प्रेम प्रसंग की जानकारी के बाद जीजा ने धमकी देकर उसका यौन शोषण किया। इसके फोटो और वीडियो भी बना लिए।

विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। शादी के बाद युवक दिल्ली में रहकर नौकरी करता था। बहन से संबंध के बारे में जानकारी होने पर युवक की पत्नी दिल्ली से मायके चली आई। मामले में 19 जून को गोरखनाथ थाने में केस दर्ज किया गया था।

बताया जा रहा है कि दिल्ली से आने के बाद बृहस्पतिवार को युवक गोरखनाथ क्षेत्र अपने ससुराल पहुंचा था। वहां उसने माफी मांगी।

इसके बाद चाकू से पेट में वार कर लिया और फिर जहर खा किया। परिजनों ने उसे गंभीर हालत में बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। गोरखनाथ पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डबल डेकर बस बेकाबू हो रेलिंग तोड़ नीचे गिरी, दो की मौत

इटावा,संवाददाता। सैफई में बिहार से दिल्ली जा रही बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे से नीचे गिर गई। हादसे में दो की मौत हो गई, जबकि 50 लोग घायल हो गए। इटावा जिले में बिहार के मधुबनी से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर अनियंत्रित होकर नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में 52 लोग घायल हो गए। सभी को आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ले जाया गया। इनमें से दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य लोगों को उपचार दिया जा रहा है। बिहार के मधुबनी से दिल्ली के लिए लगभग 70 सवारी लेकर डबल डेकर बस निकली थी। गुरुवार सुबह लगभग चार बजे आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 103 पर बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर पड़ी। हादसा होते ही चीख पुकार मच गई। सूचना पर यूपीडा की टीम और थाना पुलिस पहुंच गई।

दो की मौत और 50 का इलाज जारी

टीम ने रेस्क्यू करके सभी को बाहर निकला। हादसे में घायल 52 लोगों को आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ले जाया गया। यहां सहीना (20) निवासी बरदाहा गांव, थाना जलेसर, जिला मोहतारी, नेपाल, मनोज कुमार (59) निवासी रामपुर डीह, दरभंगा बिहार को मृत घोषित कर दिया। अन्य लोगों को उपचार दिया जा रहा है।

आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर बड़ा हादसा

हरदोई में मेडिकल कालेज के महिला अस्पताल से नवजात बच्चा चोरी

हरदोई के मेडिकल कॉलेज अस्पताल से एक नवजात बच्चा चोरी हो गया। 19 जून को भर्ती निधि दीक्षित ने ऑपरेशन से एक बेटे को जन्म दिया था। रात करीब 2 बजे जब परिवार सो गया, तो बच्चा गायब पाया गया। अस्पताल प्रशासन और पुलिस ने खोजबीन की, लेकिन बच्चा नहीं मिला। अधिकतर सीसीटीवी कैमरे खराब निकले। पुलिस ने अज्ञात महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच के लिए टीमें गठित की हैं।

संवाददाता, हरदोई। मेडिकल कॉलेज के महिला अस्पताल से बच्चा चोरी हो गया। हरियावा थाने के बिलहरी गांव के रहने वाले शिवाकांत दीक्षित की पत्नी निधि दीक्षित को 19 जून को प्रसव पीड़ा के चलते महिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था।

जहां ऑपरेशन के जरिए उन्होंने एक नवजात बालक को जन्म दिया था। परिजनों के मुताबिक, ऑपरेशन में कुछ दिक्कत की वजह से निधि और उनके बालक को अस्पताल में ही रोका गया था। कल रात निधि की दादी, नानी और पिता सारे लोग अस्पताल में ही मौजूद थे। पिता के मुताबिक, 2 बजे रात में परिवार वालों की आंख लग गई करीब 1 घंटे बाद जब परिवार के लोग उठे तो नवजात बालक गायब था जिसके बाद परिवार वालों ने अस्पताल प्रशासन को सूचना दी। बच्चे के वार्ड से गायब होने की सूचना के बाद पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया।

मेडिकल कॉलेज परिसर में मौजूद सुरक्षा गार्ड और अस्पताल प्रशासन ने बच्चों की खोजबीन की लेकिन कोई पता न लगने पर डायल 112 को सूचना दी गई।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी कांवड़ यात्रा, मोहर्रम और रथयात्रा जैसे धार्मिक आयोजनों को लेकर अहम समीक्षा बैठक की. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों और मंडलायुक्तों को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर खुले में मांस की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी. हर दुकान पर दुकानदार का नाम स्पष्ट रूप से लिखा जाना अनिवार्य होगा।

आयुष विश्वविद्यालय के कुलगीत में झलकेगी गोरखपुर की भव्यता

संवाददाता, गोरखपुर। महायोगी गुरु गोरक्षनाथ आयुष विश्वविद्यालय में गोरखपुर की भव्यता झलकेगी। कुलपति डा. के रामचंद्र रेड्डी रचित कुलगीत में गोरखपुर के विरासत, संस्कृति संग आयुष की भव्यता समावेश किया गया है। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान इसकी प्रस्तुति को लेकर तैयारी चल रही है। जल्द ही कुलगीत को स्वरबद्ध करा लिया जाएगा। कुलगीत में गोरखपुर को आरोग्य शास्त्रों की राजधानी, चिकित्सा शास्त्रों की राजधानी, ये सर्व वैद्य शास्त्रों की राजधानी बताया गया है।आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण एक जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी। भव्य कार्यक्रम को लेकर विवि प्रशासन, पुलिस– प्रशासन, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य महकमों के अधिकारी तैयारी में जुटे हैं। राष्ट्रपति के मंचासीन होने के बाद आयुष विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति को लेकर भी योजना तैयार की जा रही है। कुलपति ने इसकी रचना की है। विवि से जुड़े लोगों का कहना है कि जल्द ही इसे स्वरबद्ध करा लिया जाएगा। कुलगीत किसी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान का आधिकारिक गान होता है। इसे किसी कार्यक्रम या उत्सव में प्रस्तुत किया जाता है। इसमें संस्थान की परंपराओं, उसके मूल्यों और पहचान को दर्शाया जाता है।

प्रदेश में जातीय संघर्ष फैलाने का हो रहा है षड्यंत्र

मुख्यमंत्री ने पर्व व त्योहारों के मद्देनजर कानून–व्यवस्था को लेकर की बैठक
धूमक यात्रा में भड़काऊ नारे व हथियारों के प्रदर्शन पर होगी सख्त कार्रवाई
कौशांबी, इटावा व औरैया की घटनाओं पर दोषियों को किया जाएगा बेनकाब

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जातीय संघर्ष फैलाने के प्रयासों पर चिंता व्यक्त की है और पुलिस को दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आगामी पर्व–त्योहारों, विशेषकर श्रावण मास, कांवड़ यात्रा और मोहर्रम के मद्देनजर कानून–व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने शांतिपूर्ण आयोजनों, यात्रा मार्गों पर स्वच्छता, सुरक्षा, निर्धारित नियमों का पालन, और अफवाहों पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। कौशांबी, इटावा व औरैया की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश में जातीय संघर्ष फैलाने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए कि जातीय संघर्ष फैलाने का षड्यंत्र रचने वाले दोषियों को बेनकाब कर सख्त कार्रवाई की जाए। इसके लिए शासन के निर्देश का इंतजार न किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जातीय संघर्ष की कोशिशें प्रदेश हित के विरुद्ध हैं और किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएंगी। अपने सरकारी आवास पर बुधवार को आगामी पर्व–त्योहारों के मद्देनजर कानून–व्यवस्था को लेकर उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने पुलिस आयुक्तों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों से कहा कि 11 जुलाई से नौ अगस्त तक पवित्र श्रावण मास रहेगा।

इस दौरान पारंपरिक कांवड़ यात्रा, श्रावणी शिवरात्रि, नागपंचमी और रक्षाबंधन जैसे पर्व मनाए जाएंगे। वहीं 27 जून से आठ जुलाई तक जगन्नाथ रथ यात्रा तथा 27 जून से छह व सात जुलाई तक मोहर्रम के आयोजन संभावित हैं। यह समय प्रदेश की कानून–व्यवस्था, चिकित्सा, स्वच्छता, शिक्षा और आपदा प्रबंधन के लिहाज से अत्यंत संवेदनशील है। इसलिए सभी संबंधित विभाग व जिला प्रशासन आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।कांवड़ यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सीमा से सटे जिलों सहित गाजियाबाद, मेरठ, बरेली, अयोध्या, प्रयागराज, काशी, बाराबंकी और बस्ती जैसे जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए। योगी ने निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर डीजे, ढोल–ताशा और संगीत की ध्वनि निर्धारित मानकों के अनुरूप ही होनी चाहिए। तेज आवाज, भड़काऊ नारे और परंपरा से हटकर रूट परिवर्तन न किया जाए।

ताजिया, रथ या कांवड़ यात्रा में प्रयुक्त डीजे की ऊंचाई भी नियत सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी शोभायात्रा के लिए पेड़ काटना, झुग्गियां हटाना या गरीबों का आश्रय न उजाड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं, जिनमें वेष बदलकर अराजक तत्वों के शामिल होने की आशंका बनी रहती है। इसलिए सभी जिलों को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने थाना, हल्का और चौकी स्तर पर स्थानीय प्रशासन कांवड़ संघों के साथ संवाद बनाने के निर्देश भी दिए। कहा, श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का सम्मान सर्वोपरि है, लेकिन किसी शरारती तत्व को अवसर नहीं मिलना चाहिए।

योगी ने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर कहीं भी खुले में मांस की बिक्री न हो। यात्रा मार्गों की स्वच्छता, सैनिटाइजेशन, स्ट्रीट लाइटिंग, पेयजल, शौचालय एवं प्राथमिक चिकित्सा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जर्जर बिजली के पोल और लटकते तारों की मरम्मत यात्रा शुरू होने से पहले करा ली जाए। यात्रा को लेकर शिविर लगाने वाली संस्थाओं का सत्यापन कर उनके सहयोग से जनसुविधा केंद्र संचालित किए जाएं। उन्होंने कहा कि श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को शिवालयों में भारी भीड़ होती है। ग्राम, कस्बों और नगरों के मंदिरों के आस–पास की साफ–सफाई, जलनिकासी और यातायात प्रबंधन के लिए पंचायती राज और नगर विकास विभाग अग्रिम तैयारी कर लें।

उन्होंने प्रतिबंधित पालीथीन के प्रयोग पर पूरी सख्ती बरतने के भी निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर खाद्य सामग्री की दरों को तय किया जाए, जिससे यात्रियों से ज्यादा कीमत न ली जा सके। पूर्व वर्ष की भांति प्रत्येक दुकान पर संचालक का नाम स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने खाद की ज्यादा कीमतें वसूलने शिकायतों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित जिलाधिकारी औचक निरीक्षण करें और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक यात्राओं में हथियारों का प्रदर्शन और धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक उपयोग सौहार्द को खंडित करने वाले तत्व हैं। इन पर पूरी सख्ती से रोक लगाई जाए। आवश्यकता पड़ने पर ड्रोन के माध्यम से निगरानी सुनिश्चित की जाए। झूठी खबरों और अफवाहों पर नियंत्रण के लिए इंटरनेट मीडिया पर निगरानी करने के भी निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए और कहा कि झूठी खबरों का तत्काल खंडन किया जाए ।

मोहर्रम को लेकर शांति समितियों से संवाद कायम करें

मुख्यमंत्री ने मोहर्रम के आयोजनों के लिए स्पष्ट निर्देश दिए कि विगत वर्षों में हुई दुर्घटनाओं से सबक लेते हुए इस वर्ष सभी पूर्व व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके लिए शांति व आयोजन समितियों से संवाद स्थापित कर कार्यक्रमों को परंपरागत मार्गों पर शांतिपूर्वक संपन्न कराया जाए।

यूपी के इस शहर में मीटर रीडर का इंतजार, बढ़ता जा रहा बिजली का बकाया

संवाददाता, गोरखपुर। तारामंडल क्षेत्र के श्रीराम सिंह के घर अभी इलेक्ट्रानिक मीटर लगा है। वह मीटर रीडिंग के आधार पर हर महीने बिल का भुगतान करते हैं। इधर कुछ महीने से मीटर रीडर नहीं आ रहे हैं। इस कारण बिल नहीं बन पा रहा है। श्रीराम सिंह का कहना है कि गर्मी में बिजली की खपत बढ़ गई है। ऐसे में समय से बिल नहीं बनने से एकमुश्त हजारों रुपये देने पड़ेंगे। मीटर रीडर आते तो हर महीने का बिल जमा करते जाता। इससे बकाया नहीं चढ़ता। यही स्थिति दयाशंकर पांडेय की भी है। बिल न बनने से वह परेशान हैं। बेटा बाहर रहता है इसलिए मोबाइल फोन से वीडियो बनाकर अभियंताओं के पास जाने में भी असमर्थ हैं। बिजली निगम ने मीटर रीडिंग एजेंसी बदल दी है। नई एजेंसी ने पुराने मीटर रीडरों को तो तैनाती दी है लेकिन उनका क्षेत्र बदल दिया है। जो मीटर रीडर जहां रीडिंग करता था, नई व्यवस्था में उसकी ड्यूटी वहां से काफी दूरी पर लगा दी गई है। इससे मीटर रीडर समय से क्षेत्र में नहीं पहुंच पा रहे हैं। नई जगह होने के कारण उनको पूरी जानकारी भी नहीं हो पा रही है। इस कारण कुछ ही उपभोक्ताओं का बिजली का बिल बन पा रहा है।

स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की तलाश में भी मुश्किल

सभी उपभोक्ताओं के परिसर पर स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जिले में एक लाख से ज्यादा परिसर में स्मार्ट मीटर लगाए भी जा चुके हैं। कई ऐसी कालोनियां हैं जहां कुछ घरों को छोड़कर ज्यादातर पर स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। मीटर रीडरों को बचे घरों की तलाश में दिक्कत हो रही है।

कहीं 50 तो कहीं 70 प्रतिशत रीडिंग

महीने की 25 तारीख तक बिजली निगम शत प्रतिशत मीटर रीडिंग का लक्ष्य देता है लेकिन इस महीने अब तक कहीं 50 तो कहीं 70 प्रतिशत तक ही रीडिंग हो सकी है। इसका कारण मीटर रीडरों का उपभोक्ताओं के परिसर तक न पहुंच पाना। हजारों उपभोक्ता मीटर रीडिंग का वीडियो लेकर खंड कार्यालयों में पहुंचकर बिल बनवा रहे हैं।

मीटर रीडरों की कराई जा रही परेड

अधिशासी अभियंता अतुल रघुवंशी ने बताया कि सभी मीटर रीडरों को खंड कार्यालय बुलाकर परेड कराई जा रही है। उनको बताया जा चुका है कि मीटर की फोटो खींचने के साथ ही प्रोब आधारित बिलिंग करनी है। इससे वास्तविक रीडिंग और मांग के आधार पर बिल बनेगा। यदि कोई कनेक्शन की क्षमता से ज्यादा बिजली का उपभोग कर रहा है तो इस व्यवस्था से वास्तविक मांग की जानकारी मिल जाएगी और जुर्माना लगाकर बिल की वसूली की जाएगी। कहा कि लापरवाही बरतने वालों को चेतावनी दी गई है। यदि सुधार न हुआ तो ऐसे मीटर रीडरों को बर्खास्त कर दिया जाएगा।

बुजुर्ग ने पत्नी की निर्मम हत्या कर नाती पर भी किया हमला

उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी पत्नी की हत्या कर दिया। उसने घर में मौजूद नाती का भी गला दबा दिया। हालांकि, नाती को ज्यादा चोट नहीं आई। आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में है।

घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र के कुरियां गांव में एक बुजुर्ग ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। घर में मौजूद नाती का भी गला दबा दिया। हालांकि, नाती को ज्यादा चोट नहीं आई। हमले के बाद बुजुर्ग भाग निकला। सूचना पर सजेती पुलिस मौके पर पहुंची। फारेंसिक टीम को बुलाया गया है। कुरियां निवासी बुजुर्ग होरीलाल कोरी, पत्नी 55 साल की शिवकांती और नादी 10 साल के रौनक के साथ गांव में रहता था। उसके चार बेटे और दो बेटियां हैं। सभी विवाहित हैं और बाहर रहते हैं। होरीलाल भी पहले परिवार समेत पंजाब में काम करता था। करीब एक माह से वह घर पर है। मंगलवार रात उसका पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। नाती रौनक का कहना है कि बाबा ने कुलाबा (गन्ना काटने का धारदार औजार) से दादी पर हमला कर दिया। रौनक के मुताबिक खटपट होने पर वह बाहर आया तो बाबा ने कुलाबा से उसे भी डराया। इसके बाद गला पकड़कर घर के अंदर ले गए और दबा दिया। वह गिर पड़ा तो बाबा भाग गए। सजेती थाना प्रभारी कमलेश राय ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम बुलाकर पड़ताल की जा रही है।

मदरसे के छात्र से दरिन्दगी: फोन से खुली नबी हसन की काली करतूत...

बरेली ,संवाददाता। फरीदपुर क्षेत्र में नबी हसन नाम के युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक काफी समय से मदरसे के छात्र का शोषण कर रहा था। आरोपी के फोन में 40 अश्लील वीडियो भी मिले हैं। बरेली में बकरीद के दिन गांधी उद्यान में समुदाय विशेष की युवतियों का वीडियो बनाकर अभद्रता करने वाले हैदरी दल से जुड़े युवकों के काले कारनामे रोज ही सामने आ रहे हैं। फरीदपुर में गिरफ्तार आरोपी नबी हसन को जेल भेजे जाने से पहले एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने उसके नेटवर्क का खुलासा किया। नबी हसन मदरसे के छात्र से काफी समय से कुकर्म कर रहा था। आरोपी के फोन में 40 अश्लील वीडियो मिले हैं। आरोपी के खिलाफ दो रिपोर्ट दर्ज की गई हैं। एसपी दक्षिणी ने बताया कि फरीदपुर के गांव पिपरथरा का रहने वाला नबी हसन शाहजहांपुर के एक मदरसे में दीनी तालीम हासिल कर रहा है। वह हैदरी दल का पदाधिकारी बताया जा रहा है। उसने मदरसे में साथ पढ़ने वाले सीतापुर के ककराही लहरपुर निवासी छात्र जीशान

का मोबाइल फोन चुपके से ले लिया। उसका मोबाइल नंबर डालकर अपने मोबाइल में इंस्टाग्राम आईडी बनाई। हैदरी दल 25 नाम से एक ग्रुप भी बनाया और उसमें उन्मादी, भड़काऊ और अश्लीलता भरे वीडियो डालने लगा।

पुलिस ने आईडी के आधार पर पहले जीशान को बुलाकर पूछताछ की। पता लगा कि जीशान के नंबर से आईडी बनाकर नबी हसन ये सब कर रहा है। तब नबी हसन को बीसलपुर रोड पर धर्मकांटे के पास साठा पुलिया से गिरफ्तार किया गया। इसके बाद हैदरी दल के नाम से चल रही गैर कानूनी गतिविधियों का खुलासा हुआ। जीशान ने ही सोमवार रात फरीदपुर थाने पहुंचकर आरोपी नबी हसन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी।

मोबाइल ने खोली पोल, काफी समय से प्रताड़ना झेल रहा था किशोर

एसपी दक्षिणी के मुताबिक, पुलिस ने जब नबी हसन के मोबाइल की जांच की तो उसमें करीब 40 अश्लील वीडियो मिले। इनमें से ज्यादातर को नबी हसन ने खुद ही बनाया था। एक 13 साल का किशोर कई वीडियो में दिखा। उसके साथ नबी हसन गलत हरकत करते हुए वीडियो बना रहा था। पुलिस ने मदरसे जाकर जांच की तो वहां पढ़ने वाला शाहजहांपुर जिले का निवासी किशोर मिल गया।

शुरू में झिझक रहे किशोर को पुलिस ने हौसला दिया तो उसने बताया कि काफी समय से नबी हसन ये सब कर रहा है। वह अपने फरीदपुर के मकान पर भी उसे कई बार ले जाकर हरकत कर चुका है। वह उसका अश्लील वीडियो बनाता था और किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने व उसे जान से मारने की धमकी देता था। किशोर के पिता को पुलिस ने थाने बुला लिया। उनकी ओर से भी नबी हसन के खिलाफ फरीदपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। नबी हसन को रिमांड मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि हैदरी दल से जुड़ा नबी हसन अपने ही मदरसे में पढ़ने वाले 13 साल के किशोर का काफी समय से उत्पीड़न कर रहा था। वह इस कृत्य के वीडियो बनाकर भी सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा था। इसके लिए अपने ही दोस्त के नंबर से उसने आईडी बना रखी थी। उसके खिलाफ दो मुकदमे दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है।

गोंडा जिले का कुख्यात भू- माफिया जेल में था निरुद्ध- हार्ट अटैक से मौत- दर्ज थे 43 केस

बस्ती,संवाददाता। बृजेश अवस्थी गोंडा का रहने वाला था। उस पर जमीन कब्जाने, धोखाधड़ी और धमकी देने समेत 43 से अधिक गंभीर मामले दर्ज थे। पेशे से अधिवक्ता बृजेश अवस्थी अपने मुबाक्किलों की ज़मीन का भी फर्जीवड़ा कर चुका था। जिला कारागार में बंद गोंडा जिले का भू माफिया अधिवक्ता बृजेश अवस्थी की बुधवार को मौत हो गई। प्रशासनिक आधार पर उसे गोंडा से 15 दिसंबर 2024 को जिला कारागार में स्थानांतरण पर लाया गया था। जेल अधिकारियों ने बताया कि बृजेश को सुबह अचानक सीने में तेज दर्द उठा और पसीने आने लगे। आधे घंटे तक जेल अस्पताल में इलाज के बाद डॉक्टर की सलाह पर सुबह करीब सात बजे जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां 10: 30 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बृजेश अवस्थी गोंडा का रहने वाला था। उस पर जमीन कब्जाने, धोखाधड़ी और धमकी देने समेत 43 से अधिक गंभीर मामले दर्ज थे।

दुल्हन ले गई सपना पुलिस ने तोड़ा यकीन फाइल बंद

हरियाणा से दूल्हा बनकर आया था सुरेंद्र, ठगा हुआ लौटा
मोबाइल नंबर, फोटो, गाड़ी नंबर देने के बाद भी कार्रवाई नही

संवाददाता, गोरखपुर। हरियाणा के रोहतक जिले का एक युवक गोरखपुर में शादी का सपना लेकर आया, लेकिन लौटते समय उसका भरोसा टूट चुका था और जेब भी खाली थी। 1. 18 लाख रुपये खर्च करने के बाद शादी तो हुई, लेकिन अगली सुबह दुल्हन गाड़ी में बैठकर भाग गई। युवक ने गीडा थाने में मुकदमा दर्ज कराया, तस्वीरें, नंबर, लोकेशन तक सौंपी, लेकिन पुलिस की कार्रवाई अब तक सिर्फ वादे तक सीमित है। रोहतक के मकड़ौली गांव निवासी 41 वर्षीय सुरेंद्र कुमार ने जब शादी की इच्छा जताई तो उसकी मुंहबोली बहन कुलदीप कौर ने भरोसा दिलाया कि गोरखपुर में एक लड़की से शादी कराएगी। इसके लिए उसने 1.20 लाख रुपये खर्च आने की बात कही। 19 अप्रैल 2025 को कुलदीप अपने भतीजे राजेश के साथ सुरेंद्र को गोरखपुर लाई। रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में महिला मधु से मुलाकात कराई, जिसने 'चांदनी' नाम की लड़की की तस्वीर दिखाई। लड़की पसंद आने पर 20 अप्रैल को होटल में ही शादी कराई गई। शादी के अगले दिन नौसढ़ बस स्टैंड पहुंचे तो चांदनी ने किसी को फोन किया। थोड़ी देर में एक सफेद रंग की कार आई, जिसमें सवार चार लोग चांदनी को लेकर चले गए।विरोध करने पर सुरेंद्र की आंख में धूल फेंक दिया।इसके बाद पीड़ित ने तत्काल घटना की जानकारी गीडा थाना क्षेत्र की नौसढ़ चौकी में शिकायत दर्ज कराई, और आरोपितों के फोटो, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, होटल का नाम, गाड़ी का नंबर तक पुलिस को दिया।

पहचान के लिए होटल के सीसी कैमरे का फुटेज और मोबाइल काल डिटेल निकालने की मांग भी की।लेकिन दो माह बीतने के बाद भी न किसी को गिरफ्तार किया गया, न कोई लोकेशन ट्रेस की गई। सुरेंद्र का कहना है कि वह एक हफ्ते तक थाने और चौकी के चक्कर लगाता रहा, लेकिन पुलिस ने सिर्फ टालमटोल किया।दारोगा को जो करना था, मैंने कर दिया लेकिन लुटेरे आज तक नहीं पकड़े गए।अब तो भगवान ही इंसाफ दिला सकता है।

तेंदुआ से संघर्ष करने वाले बहादुर मिहीलाल से मिली लखीमपुर की जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल

संवाददाता, लखीमपुर खीरी। ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मिहीलाल पर मंगलवार को दोपहर में तेंदुआ ने हमला कर दिया। तेंदुआ के हमले के दौरान मिहीलाल ने उसके नुकीले दांत और पंजों के हमले के बीच भी अपना बचाव किया और घायल होने से पहले उसको वन विभाग के पिंजरे में कैद कराया।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल बुधवार को दिन में जिला अस्पताल पहुंचीं और घायल मिहीलाल का हाल जाना। उन्होंने मिहीलाल से कहा कि तुम तो बहुत बहादुर हो मिहीलाल। घबराने की कोई जरूरत नहीं है, मै तुम्हारे पूरे परिवार के साथ हूं। उन्होंने मिहीलाल की मां से कहा कि आपने शेर को जन्म दिया ऐसे बहादुर कहां मिलते है। इतनी भीड़ में अकेला आप का बेटा ही तेंदुआ से लड़ा। हम आपका पूरा सहयोग करेंगे।

उन्होंने कहा कि बबुरी गांव में ईंट के भट्ठे पर काम करने वाले एक मजदूर मिहीलाल पर हमला कर दिया था। अक्सर लोग ऐसे हमलों में अक्सर लोग घबरा जाते हैं, लेकिन मजदूर ने तेंदुआ के साथ लड़ना मंजूर किया। आखिर में वह इस लड़ाई में जीत गया। इनकी बहादुर को सलाम है।

संघर्ष नहीं करता तो मुझे मार डालता तेंदुआ

मिहीलाल ने जिला अस्पताल मिलने पहुंचीं जिलाधिकारी को आपबीती और घटनाक्रम की जानकारी दी। उसनेदुर्गा शक्ति नागपाल को बताया कि संघर्ष के दौरान उसका हाथ तेंदुआ के मुंह के अंदर चला गया था।

अगर वह तेजी से उसे निकालकर उसके ऊपर न बैठता और उसकी गर्दन न पकड़ता तो तेंदुआ उसकी जान ही ले लेता। मिही लाल ने कहा वह किसी काम से भट्ठे के अंदर गया था जहां पहले से ही मौजूद तेंदुआ ने हमला कर दिया। डीएम ने इस युवक का हौसला बढ़ाया और उसकी मदद करने की बात कही। उसके बाद डीएम ने तेंदुए को रेस्क्यू करने के दौरान जख्मी हुए फॉरेस्ट गार्ड और वन कर्मियों का भी हाल जाना।

बबुरी गांव में हुई घटना का एक वीडियो भी तेजी से इंटरनेट मीडिया पर वायरल है। करीब दो मिनट के इस वीडियो में मिहीलाल तेंदुआ से भिड़ता और काबू में करता दिखाई दे रहा है। बफर जोन दुधवा के डिप्टी डायरेक्टर सौरीष सहाय ने बताया कि धौरहरा के बबुरी गांव में जो तेंदुआ हिंसक हुआ उसे रेस्क्यू कर पिंजरे में कैद कर लिया गया है। सभी घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पति को मृत दिखा बीमा लेने वाली एक और महिला गिरफ्तार

इंडसइंड बैंक में हुआ था फर्जीवाड़ा, गोला पुलिस कर रही जांच
तीन महिला समेत आठ को गिरफ्तार कर भेज चुकी है जेल

संवाददाता, गोरखपुर। पति को मृत दिखाकर इंडसइंड बैंक से लोन लेने के मामले में गोला पुलिस ने एक और महिला मालती देवी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। समूह लोन प्रकरण की जांच कर रही गोला पुलिस ने अब तक तीन महिला समेत आठ को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।शाखा प्रबंधक समेत 10 आरोपित अभी फरार चल रहे है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। वर्ष 2023 में गोला बाजार में स्थित इंडसइंड बैंक शाखा में तत्कालीन शाखा प्रबंधक ने पूर्व शाखा प्रबंधक बृजेश कुमार सरोज पर समूह लोन लेने वाली मिलाओं के पतियों का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र लगाकर बीमा राशि हड़पने का आरोप लगाया था।

वर्ष 2023 में गोला बाजार में स्थित इंडसइंड बैंक शाखा में तत्कालीन शाखा प्रबंधक ने पूर्व शाखा प्रबंधक बृजेश कुमार सरोज पर समूह लोन लेने वाली मिलाओं के पतियों का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र लगाकर बीमा राशि हड़पने का आरोप लगाया था।

तहरीर मिलने पर गोला थाना पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच दारोगा अजय कुमार दी गई। अजय ने विवेचना के दौरान मुख्य आरोपित बैंक प्रबंधक का नाम ही मुकदमें से निकाल दिया और महिलाओं को आरोपित बना दिया। इनके स्थानानंतरण के बाद इस मामले की जांच दूसरे दारोगा को दी गई।

जांच आगे बढ़ाते हुए विवेचक ने चार महिलाओं मोती, आयशा, साधना मौर्य, राजकुमारी देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इनके जेल जाने के बाद विवेचक के ऊपर स्वजन ने आरोप लगाया तो तत्कालीन एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने विवेचक को बदलते हुए मामले की जांच तत्कालीन थानाध्यक्ष गोला को दी।

इसके बाद थानाध्यक्ष ने बैंक पहुंचकर कागजातों की जांच की और पांच अप्रैल को बैंककर्मी अभय तिवारी, आशुतोष दुबे, संजय गिरी, जय कुमार, वारिश अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा। मुख्य आरोपित शाखा प्रबंधक बृजेश कुमार, संगम गौंड, कृष्ण कुमार, शबनम खातुन, मालती दीव, रोजी, रेखा, गौतम श्रीवास्तव, गोपाल सिंह, अरुण कुमार को नामजद करते हुए फरार घोषित किया। थानेदार अंजुल चतुर्वेदी ने बताया कि फरार चल रहे आरोपितों की तलाश चल रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

41 साल बाद अंतरिक्ष में होगा कोई भारतीय

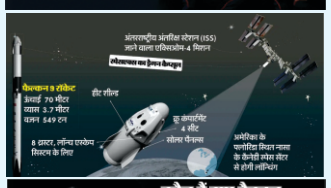

दिल्ली,एजेंसी। यह एक्सिओम–4 मिशन क्या है, जिसके जरिए भारत को दूसरा अंतरिक्ष यात्री मिलेगा? यह मिशन कब, कहां से और कैसे लॉन्च हुआ? भारत के लिए इसके क्या मायने हैं? एक्सिओम मिशन के लिए चुने गए शुभांशु शुक्ल कौन हैं? किन उपलब्धियों के चलते उन्हें चुना गया? उनके अलावा कौन–कौन से अन्य बड़े चेहरे इस मिशन में शामिल हैं? 25 जून 2025 तारीख भारत के लिए ऐतिहासिक हो गई है। अमेरिकी वाणिज्यिक स्पेस कंपनी– एक्सिओम अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) के लिए अपना एक्सिओम–4 मिशन लॉन्च कर चुकी है। भारत के शुभांशु शुक्ल पायलट के तौर पर इस मिशन में शामिल हैं। 41 साल बाद भारत का कोई शख्स अंतरिक्ष यात्री बनेगा। इससे पहले 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय थे। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर यह एक्सिओम–4 मिशन क्या है, जिसके जरिए भारत को दूसरा अंतरिक्ष यात्री मिलेगा?

किस तरह संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया

कोई भी भारतीय कभी नहीं भूलेगा', आपातकाल पर पीएम मोदी

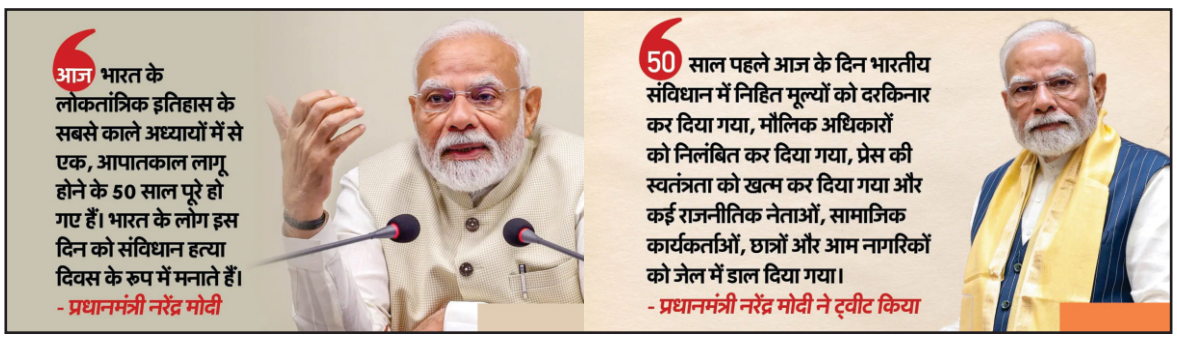

नई दिल्ली । देश में 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को आज 50 साल पूरे हो चुके हैं। पीएम मोदी ने आपातकाल को संविधान हत्या दिवस करार देते हुए तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आपातकाल को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय बताया। देश में 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने आपातकाल के दिनों को याद करते हुए कहा कि आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। यह वो वक्त था जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था।

संसद की आवाज दबाई गई

पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी भारतीय कभी नहीं भूल सकता कि किस तरह हमारे संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया। संसद की आवाज दबाई गई और अदालतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। 42वां संशोधन उनकी हरकतों का एक प्रमुख उदाहरण है। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को खास तौर पर निशाना बनाया गया, जिसमें उनकी गरिमा का अपमान भी शामिल है।

आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को सलाम

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। ये लोग पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग–अलग विचारधाराओं से आए थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक–दूसरे के साथ मिलकर काम किया। उनका लक्ष्य था भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया।

यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े। जिसमें वे बुरी तरह हार गए।

गरीबों और वंचितों के सपने पूरे करेंगे

पीएम ने लिखा कि हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं तथा गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करेंगे।

तब मैं आरएसएस का प्रचारक था

आपातकाल के दिनों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को फिर से पुष्ट किया। साथ ही मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है। जिसकी प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा जी ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे।

लोग साझा करें अनुभव

पीएम मोदी ने कहा कि द इमरजेंसी डायरीज आपातकाल के दौरान मेरी यात्रा का वृत्तांत है। इसने उस समय की कई यादें ताजा कर दीं। मैं उन सभी लोगों से आग्रह करता हूं जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं कि वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी।

सपा विधायकों पर कार्रवाई: 'पीडीए की जय हो...

प्रयागराज। सपा ने तीन बागी विधायकों पर कार्रवाई की है, लेकिन चायल की सपा विधायक पूजा पाल पर नरमी दिखाई है। पूजा पाल अच्छे व्यवहार वाली बागी बन गईं हैं। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन बागी विधायकों पर सपा की कार्रवाई से राजनीतिक चौपालों में हलचल बढ़ गई है। चर्चा इस बात पर हो रही कि क्रॉस वोटिंग करने वाली चायल की सपा विधायक पूजा पाल पर नरमी क्यों।

सियासी पंडितों को कहना है कि पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक (पीडीए) फैक्टर बगावत पर भारी पड़ गया। पूजा पाल पिछड़ा वर्ग से हैं। पंचायत चुनाव नजदीक है। समाजवादी पार्टी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती। बीते साल राज्यसभा चुनाव में सपा के सात विधायकों ने बगावत कर क्रॉस वोटिंग की थी। जबकि, एक विधायक गैरहाजिर रहीं। क्रॉस वोटिंग करने वालों में कौशाम्बी जिले के चायल की विधायक पूजा पाल भी शामिल थीं।

चुनाव बाद से बागी विधायकों के पार्टी से निष्कासन को लेकर अटकलें लगने लगी थीं। लेकिन सियासी कारणों से मामला टलता रहा। सोमवार को पार्टी ने कार्रवाई भी की तो सिर्फ तीन विधायकों मनोज पांडे, राकेश प्रताप सिंह और अभय प्रताप सिंह के खिलाफ। बाकी को अच्छे व्यवहार के नाम पर मोहलत दे दी।

पूजा पाल ने भाजपा के लिए कीं बैठकें

पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों पर आधारित राजनीति के हिसाब से कौशाम्बी महत्वपूर्ण है। यह सच है कि बगावत के बाद पूजा पाल ने सपा या सपा नेतृत्व के खिलाफ कोई बयानबाजी नहीं की। लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि वह पार्टी लाइन से हटकर लगातार भाजपा का समर्थन करती रहीं। पिछले लोकसभा चुनावों में उन्होंने भाजपा के लिए बैठकें भी कीं।

सत्ताधारी दल भाजपा को लेकर नाराजगी दिखी

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि सपा मुखिया इन दिनों पीडीए को साधने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा हाल ही में हुई सैनी कोतवाली के लोहंदा गांव में आठ वर्षीय बालिका के साथ कथित दुष्कर्म की घटना है। जिसको लेकर पूरे प्रदेश में पिछड़ा वर्ग खासतौर से पाल बिरादरी में सत्ताधारी दल भाजपा को लेकर नाराजगी दिखी है। इससे भी चायल विधायक पर नरमी बरतने के कयास लगाए जा रहे हैं।

जिले में पाल बिरादरी की बात करें तो प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में इनके 20 से 25 हजार वोटर हैं। ये 2014 से 2019 तक के चुनावों में अधिसंख्य भाजपा के साथ थे। सपा से पूजा पाल की उम्मीदवारी के कारण वर्ष 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में पालों का काफी हिस्सा भाजपा से खिसक गया था। इस वोट को दोनों दल साधने की कोशिश कर रहे हैं।

डिप्टी सीएम के साथ मंच साझा कर रहीं पूजा

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के बाद से विधायक पूजा पाल लगातार भाजपा से करीबी बढ़ाती दिख रही हैं। अक्सर उन्हें डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के साथ मंच साझा करते भी देखा जाता है। लोहंदा कांड में भी पूजा ने एक लाख रुपये की आर्थिक मदद कर यह संदेश देने का प्रयास किया कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है।

गोरखपुर–लखनऊ फोरलेन: एक तरफ 35 किमी सड़क चकाचक

संतकबीर नगर। 252 किमी लंबे गोरखपुर–लखनऊ फोरलेन पर धन खपाने का खेल चल रहा है। दो साल में दूसरी बार ऊबड़–खाबड़ और गड्ढे में तब्दील हुए गोरखपुर से अयोध्या तक 110 किमी फोरलेन की सूरत बदली जा रही। इस बार यह ठीका दिल्ली की एक कंपनी को 139 करोड़ रुपये में दिया गया है। कार्य पूर्ण करने की अवधि एक साल है।

ठीका लेने वाली शर्मा कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर शशांक पांडेय ने बताया कि अयोध्या से सहजनवां (गोरखपुर) तक 110 किमी में मार्ग का ओवर ले किया जाना है। अयोध्या–गोरखपुर लेन में चौकड़ी से मड़वानगर टोल बूथ तक 35.5 किमी में यह कार्य पूरा हो चुका है।

अगले दो दिनों में संतकबीर नगर जिले की सीमा में लगने वाले फोरलेन पर यह कार्य पूरा हो जाएगा। एक तरफ की लेन का कार्य कंपलीट होने के बाद गोरखपुर से अयोध्या लेन पर ओवरले का कार्य शुरू हो जाएगा। 'ओवरले' का मतलब है, मौजूदा सड़क की सतह पर डामर की एक नई परत बिछाना। यह एक मरम्मत प्रक्रिया है जो सड़क की सतह को मजबूत और चिकना बनाने के लिए की जाती है।

> गोरखपुर–अयोध्या फोरलेन के 110 किमी हिस्से पर 139 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत कार्य चल रहा है। दिल्ली की एक कंपनी को यह ठेका मिला है, जिसमें सड़क पर डामर की नई परत बिछाई जाएगी। यह दो साल में दूसरी बार है जब सड़क की मरम्मत हो रही है, क्योंकि पिछली बार 79 करोड़ रुपये में एटकान कंपनी द्वारा की गई मरम्मत खराब गुणवत्ता की थी। इस बार पुलों की टूटी रेलिंग भी ठीक की जा रही है।

पुल की टूटी रेलिंग को लेकर जागे अफसर

फोरलेन पर नदी–नालों पर बने पुल की रेलिंग भी सही की जाएगी। सड़क ठीक करा रही कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर का कहना है कि अनुबंध में केवल सड़क ठीक कराए जाने का कार्य दर्शाया गया है। जहां कहीं पर भी पुल की रेलिंग टूटी है, उसे भी सही कराने को कहा गया है। इसक्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के निर्देश पर सड़क के साथ चार जगहों पर पुल की टूटी रेलिंग भी मरम्मत कराई जा रही है।

दो साल पहले मरम्मत पर खर्च हुए थे 79 करोड़

दो साल पहले की बात है, ऊबड़–खाबड़ और गड्ढे में तब्दील हो रहे फोरलेन की दुर्दशा को लेकर हो हल्ला मचा तो राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण के तत्कालीन अफसरों की निद्रा टूटी। सुरक्षित और आरामदायक सफर के लिए अयोध्या से गोरखपुर तक सड़क की मरम्मत करने का ठीका एटकान कंपनी को दिया गया था। आरोप है इस कंपनी ने पैसा बचाने के लिए जहां–तहां सड़क की एक लेयर चेंज करने के लिए मिलिंग यानी मशीन से उखाड़ी गई ऊपरी परत की गिट्टी को मशीन में रीमिक्स कर पेंटिंग करा दिया। नतीजतन एक साल में फिर से फोरलेन की सूरत बिगड़ गई। इस बारे में एटकान के नवनीत पांडेय ने बताया उनकी कंपनी को 79 करोड़ मिले थे,जिससे जहां कहीं पर सड़क टूटी और धंसी थी उसकी लेयर चेंज कर ओवरले करने तथा बाकी जगहों पर गड्ढों का भरने का कार्य दिया गया था।

सड़क सुरक्षा पर खर्च हुए थे 12 करोड़

सड़क मरम्मत ही नहीं फोरलेन पर हादसों में कमी लाने के लिए संवेदनशील स्थलों और लिंक मार्गों के पास साइनेज बोर्ड, एमएस रेलिंग और मेटल बीम क्रास बैरियर लगाने के लिए दो साल एनएचएआइ ने 12 करोड़ में एक कंपनी को ठीका दिया। यह कार्य अयोध्या–गोरखपुर के बीच ही फोरलेन पर कराया जाना था। आरोप है यह भी कार्य सही तरीके से नहीं कराया गया।

मुम्बई,एजेंसी। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ नाम जुड़ने के बाद से आरजे महवश लगातार किसी न किसी बहाने से चर्चाओं में बनी रहती हैं। महवश को अक्सर चहल के चलते ट्रोल भी किया जाता है। हालांकि, पिछले दिनों महवश ने ट्रोलर्स को काफी तगड़ा जवाब दिया था। लेकिन अब आरजे महवश एक वीडियो वायरल है, जिसके बाद वो एक बार फिर नेटिजंस के इशारे पर आ गई हैं।

टेग लगी हुई ड्रेस पहने निकली महवश

एक बार फिर कुछ ऐसा हुआ है कि नेटिजंस को आरजे महवश को ट्रोल करने का मौका मिल गया। दरअसल, आरजे महवश का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इस वीडियो में महवश लाइट येलो कलर की एक समरी ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इस दौरान महवश पैपराजी के कैमरे में कैद हुईं और उन्होंने पैप्स को पोज भी दिए। लेकिन इसी बीच नेटिजंस ने महवश के वीडियो में कुछ ऐसा नोटिस कर लिया, जिसके चलते वो नेटिजंस के इशारे आ गईं। दरअसल, महवश अपनी इस ड्रेस का टैग निकालना भूल गईं और टैग लगे–लगे ही वो ड्रेस पहनकर बाहर निकल गईं और पैप्स के सामने आ गईं। इसके बाद महवश को यूजर्स ने ट्रोल करना शुरू कर दिया।

यूजर्स को याद आए चहल

महवश का वीडियो सामने आते ही यूजर्स ने ड्रेस में लगा उनका टैग नोटिस कर लिया और उन्हें निशाने पर ले लिया। एक यूजर ने इसको लेकर वायरल वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'युजी भाई को टैग निकालने के लिए बोलना था।' जबकि एक अन्य यूजर ने लिखा, 'टैग तो निकाल लेतीं बहन। क्या तुम बाहर निकलने से पहले शीशा नहीं देखती हो।'

बैकलेस ड्रेस में फिर अवनीत कौर ने फ्लान्ट किया कर्वी फिगर समुद्र किनारे दिए सिजलिंग पोज

मुम्बई,एजेंसी। अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं. जिसमें वो समुद्र किनारे दिलकश पोज देती हुई दिखाई दी. तस्वीर में एक्ट्रेस का ग्लैमरस लुक देखने को मिला.

अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं. जिसमें वो समुद्र किनारे दिलकश पोज देती हुई दिखाई दी. तस्वीर में एक्ट्रेस का ग्लैमरस लुक देखने को मिला. अवनीत कौर कुछ महीनों से सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. कभी विराट कोहली के उनकी फोटो लाइक करने पर बवाल मचा. तो कभी एक्ट्रेस टॉम क्रूज संग पोज देती दिखी. अब एक बार फिर वो चर्चा में हैं. दरअसल एक्ट्रेस समुद्र किनारे इठलाती दिखीं.

इन तस्वीरों में अवनीत कौर बैकलेस फ्लोरल ड्रेस पहनकर कैमरा के लिए पोज कर रही हैं. फोटोज देख फैंस एक्ट्रेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं.

इन तस्वीरों में अवनीत कौर बैकलेस फ्लोरल ड्रेस पहनकर कैमरा के लिए पोज कर रही हैं. फोटोज देख फैंस एक्ट्रेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं.

इस ड्रेस में अवनीत अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं. उन्होंने अपना लुक खुले बालों और ग्लोसी मेकअफ से पूरा किया.

इस ड्रेस में अवनीत अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं. उन्होंने अपना लुक खुले बालों और ग्लोसी मेकअफ से पूरा किया.

अवनीत ने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हम पार्टी करने जा रहे हैं...' फैंस कमेंट के जरिए अवनीत की तारीफ कर रहे हैं.

अवनीत ने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हम पार्टी करने जा रहे हैं...' फैंस कमेंट के जरिए अवनीत की तारीफ कर रहे हैं.

अवनीत कौर टीवी की दुनिया की फेमस एक्ट्रेस हैं. जो अभी तक कई हिट शोज में काम कर चुकी हैं.

अवनी त कौर टीवी की दुनिया की फेमस एक्ट्रेस हैं. जो अभी तक कई हिट शोज में काम कर चुकी हैं.

टीवी में नाम कमाने के बाद अवनीत ने बड़े पर्दे पर कदम रखा और वहां भी अपनी एक्टिंग से लोगों का खूब दिल जीता.

टीवी में नाम कमाने के बाद अवनीत ने बड़े पर्दे पर कदम रखा और वहां भी अपनी एक्टिंग से लोगों का खूब दिल जीता.

बता दें कि सोशल मीडिया पॉपुलैरिटी में अवनीत कौर कई बड़े स्टार्स को पीछे छोड़ती हैं. उनके 31 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं.

बता दें कि सोशल मीडिया पॉपुलैरिटी में अवनीत कौर कई बड़े स्टार्स को पीछे छोड़ती हैं. उनके 31 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं।

ईशा गुप्ता–हार्दिक पांड्या कर चुके हैं डेट

कभी एक–दूसरे के प्यार में डूबे थे हार्दिक–ईशा? एक्ट्रेस ने हार्दिक पांड्या संग रिश्ते की बताई सच्चा कितने समय के लिए थे एक–दूसरे की जिन्दगी का हिस्सा

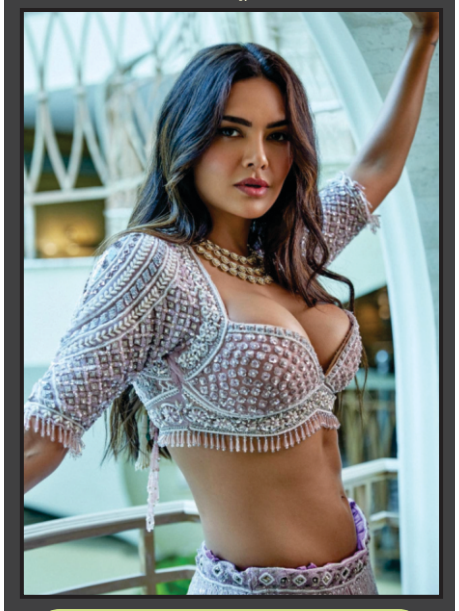

हार्दिक पांड्या ऐसे इंडियन क्रिकेटर हैं, जो अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ–साथ पर्सनल को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। नताशा स्टेनकोविक से तलाक के बाद फिलहाल ब्रिटिश मॉडल और टीवी पर्सनैलिटी जैस्मिन वालिया को डेट कर रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं नताशा और ईशा गुप्ता भी एक समय पर काफी क्लोज रह चुके हैं, जिसके बारे में एक्ट्रेस ने हाल ही में बताया।

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। हार्दिक पांड्या के क्रिकेट करियर के साथ–साथ उनकी लव लाइफ के बारे में जानने के लिए भी उनके चाहने वाले बेसब्र रहते हैं। 2020 में नताशा स्टेनकोविक के साथ शादी के बंधन में बंधे हार्दिक पांड्या ने निजी कारणों की वजह से 4 साल बाद उनसे अपना रिश्ता खत्म कर दिया। नताशा के जिंदगी से निकलते ही हार्दिक पांड्या की जिंदगी में ब्रिटिश मॉडल और टीवी पर्सनैलिटी निकी वालिया की एंट्री हुई।

हालांकि, उनके साथ हार्दिक पांड्या ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया है। क्या आप जानते हैं कि एक समय ऐसा था जब हार्दिक का दिल बॉलीवुड की बोल्ड एक्ट्रेस ईशा गुप्ता पर भी अटका था और दोनों की बात डेटिंग तक पहुंच गई थी, जिसका खुलासा हाल ही में खुद 'रुस्तम' एक्ट्रेस ने किया।

हार्दिक पांड्या को डेट करने पर क्या बोली ईशा गुप्ता?

ईशा गुप्ता ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन से हार्दिक पांड्या के साथ नाम जुड़ने पर रिएक्ट किया।। एक्ट्रेस ने कहा, "हम दोनों ने कुछ समय तक एक–दूसरे से बातचीत की, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम डेट कर रहे थे। हां, हमने कुछ महीनों के लिए बातें की थी। हम उस स्टेज पर थे जहां हमें लग रहा था कि शायद कुछ होगा, लेकिन वह सब डेटिंग स्टेज पर पहुंचने से पहले ही खत्म हो गया। एक्ट्रेस ने आगे कहा, "हम इसे सही तौर पर डेट नहीं कह सकते हैं, हम सिर्फ एक या दो बार ही मिले थे। तो हम कुछ महीनों के लिए ही साथ थे, फिर वह खत्म हो गया था"। जब ईशा से ये पूछा कि क्या दोनों के बीच रिश्ता बन सकता था, तो एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा, "शायद बन जाता"।

अब किसे डेट कर रही हैं ईशा गुप्ता?

ईशा गुप्ता की डेटिंग लाइफ की बात करें तो वह पिछले पांच सालों से स्पेनिश लड़के मैनुअल कैम्पोस गुआलर को डेट कर रही हैं। ईशा गुप्ता ने कुछ सालों पहले इंस्टाग्राम पर उनके साथ अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। ईशा गुप्ता के अगर फिल्मी करियर की बात करें तो, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में इमरान हाशमी के अपोजिट फिल्म 'जन्नत' से की थी। उन्होंने राज 3डी, बेबी, कमांडो 2, पलटन और रुस्तम जैसी फिल्मों में काम किया। ईशा जल्द ही इंडियन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'देसी मैजिक' में नजर आएंगी।

ट्रांसफार्मेशन देख फैंस का चकराया दिमाग

हिमांशी खुराना सोशल मीडिया पर अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने ट्रांसफार्मेशन की झलक सबको दिखा जिसे देख हर कोई हैरान है. आसिम रियाज से ब्रेकअप के बाद ये क्या हो गया हिमांशी खुराना का हाल, ट्रांसफार्मेशन देख फैंस का चकराया दिमाग।

मुम्बई,एजेंसी। 'बिग बॉस 13' से अपनी खास पहचान बनाने हिमांशी खुरानी का कुछ वक्त पहले ही आसिम रियाज संग ब्रेकअप हुआ है. दोनों ने काफी साल की डेटिंग के बाद अपना रिश्ता खत्म किया. वहीं आसिम से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस ने अपना लुक एकदम बदल लिया है. जिसे देख फैंस काफी खुश हैं, लेकिन कुछ लोगों का एक्ट्रेस का ये ट्रांसफोर्मेशन बिल्कुल पसंद नहीं आया.

हिमांशी खुराना का बदला लुक

दरअसल 'बिग बॉस 13' के वक्त हिमांशी का वजन थोड़ा बढ़ा हुआ था. जिसे अब एक्ट्रेस ने कम कर लिया है. हिमांशी ने काफी महीनों की मेहनत के बाद अपना ये रूप बदला है. अब अक्सर एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर सोशल मीडिया पर फ्लॉन्ट करती रहती हैं. लेकिन इस वक्त एक्ट्रेस ट्रोलर्स के हत्थे चढ़ी हुई हैं. उनका नया लुक यूजर्स को बिल्कुल रास नहीं आ रहा.

फैंस ने किए ट्रांसफोर्मेशन पर कमेंट

हिमांशी का ये लुक देखकर अब कुछ यूजर्स उनका जमकर मजाक उड़ा रहे हैं. उनको एक्ट्रेस का ये ट्रांसफोर्मेशन बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा. एक यूजर ने कमेंट कर लिखा कि, 'आप पहले अच्छी लगती थी. अब ज्यादा वजन कम कर लिया..' दूसरे ने लिखा, 'आप और आसिम साथ में बहुत अच्छे लगते थे फिर ऐसा क्या हुआ जो अलग हो गए..' खबरों की मानें तो दोनों का ब्रेकअप धर्म की वजह से हुआ था. दोनों के ब्रेकअप ने उनके फैंस का दिल तोड़ दिया था.

हिमांशी खुराना वर्कफ्रंट

हिमांशी खुराना का नाम पंजाबी सिनेमा की पॉपुलर और रिच एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार हैं. जो ना सिर्फ सिंगिंग में अपना नाम बना चुकी हैं बल्कि कई फिल्म में एक्टिंग का हुनर भी दिखा चुकी हैं. उनके कई गाने सोशल मीडिया पर खूब व्यूज बटोर चुके हैं. इंस्टाग्राम पर भी उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है।

भारत को 5 विकेट से मिली हार

संजय मांजरेकर ने एक बार फिर रविन्द्र जडेजा को लताड़ा, फोड़ा हार का ठीकरा

लीड्स टेस्ट में भारत की हार के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने आलराउंडर रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन की आलोचना की है। मांजरेकर जडेजा के पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन से नाखुश हैं, खासकर उनकी गेंदबाजी से, जहां उन्होंने 47 ओवर में केवल 1 विकेट लिया। मांजरेकर का मानना है कि एक अनुभवी खिलाड़ी के तौर पर जडेजा को पिच की खराबियों और रफ का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नही किया।

स्पोर्ट्स डेस्क। लीड्स टेस्ट में भारत की हार के बाद आरोप–प्रत्यारोप का दौर जारी है। फैंस से लेकर क्रिकेट एक्सपर्ट तक सभी अलग–अलग प्लेयर्स को हार का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की आलोचना की है। वह पहले टेस्ट में जडेजा के प्रदर्शन से खफा हैं। इससे पहले भी मांजरेकर जडेजा की आलोचना कर चुके हैं।

जडेजा को मिली 1 सफलता

जडेजा ने दोनों पारियों में 47 ओवर गेंदबाजी की और 172 रन देकर 1 विकेट चटकाया। वह 5वें दिन कंडीशन का फायदा नहीं उठा पाए।

जियो हॉटस्टार पर 'मैच सेंटर लाइव' पर मांजरेकर ने कहा कि पिच में कुछ खराबियां थीं, जिनका जडेजा फायदा उठा सकते थे और उनके जैसे अनुभवी खिलाड़ी से और अधिक की उम्मीद थी। जडेजा ने पहली पारी में 11 और दूसरी पारी में नाबाद 25 रन बनाए।

मांजरेकर ने कहा, "प्रसिद्ध कृष्णा जैसे युवा खिलाड़ियों की अत्यधिक आलोचना करना उचित नहीं है। मैं रवींद्र जडेजा की आलोचना करने जा रहा हूं। यह अंतिम दिन की पिच थी, जिसमें कुछ पैच थे, जिसका फायदा उन्हें उठाना था। हमें उनके जैसे अनुभवी खिलाड़ी से और अधिक की उम्मीद करनी चाहिए।"

रफ का फायदा नहीं उठाया

मांजरेकर का मानना है कि पांचवें दिन की परिस्थितियां इंग्लैंड में आमतौर पर होने वाली परिस्थितियों जैसी नहीं थीं और जडेजा ने बेन डकेट के खिलाफ रफ का अच्छा इस्तेमाल नहीं किया। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज की पारी के अंत में ही उन्होंने यह तरकीब अपनानी शुरू की।

मांजरेकर ने कहा, "ये आम इंग्लिश कंडीशन नहीं थीं, जहां पिच से कुछ मदद नहीं मिलती। मुझे लगा कि उन्होंने रफ का पर्याप्त इस्तेमाल नहीं किया, खासकर बेन डकेट के खिलाफ। बेन स्टोक्स के खिलाफ उन्होंने प्रयास किया। लेकिन डकेट की पारी के काफी बाद में ही जडेजा ने रफ का सही इस्तेमाल करना शुरू किया।"

भारतीय महिला हाकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी

स्पोर्ट्स डेस्क। दीपिका (छठे मिनट) ने भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन मध्यांतर के बाद बेल्जियम की टीम पूरी तरह हावी रही और हेलेन ब्रेसेर (37वें और 55वें), लूसी ब्रेन (41वें मिनट), एंब्रे बेलेंगहीन (54वें मिनट) और चार्लोट एंगलबर्ग (58वें मिनट) के गोल की बदौलत आसान जीत दर्ज करने में सफल रही। भारतीय महिला हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और उसे लगातार पांचवीं हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम को बेल्जियम के खिलाफ 1–5 की करारी हार का सामना करना पड़ा। टीम ने इससे पहले लंदन में ऑस्ट्रेलिया और अर्जेन्टीना के खिलाफ दो–दो मैच गंवाए। बेल्जियम ने आक्रामक शुरुआत की और भारतीय सर्कल में बार–बार हमले करके शुरुआती दबदबा बनाया लेकिन मेहमान टीम ने अच्छा बचाव किया। दीपिका (छठे मिनट) ने भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन मध्यांतर के बाद बेल्जियम की टीम पूरी तरह हावी रही और हेलेन ब्रेसेर (37वें और 55वें), लूसी ब्रेन (41वें मिनट), एंब्रे बेलेंगहीन (54वें मिनट) और चार्लोट एंगलबर्ग (58वें मिनट) के गोल की बदौलत आसान जीत दर्ज करने में सफल रही। मेजबान टीम को पेनल्टी कॉर्नर पर मैच का पहला गोल करने का मौका मिला लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता ने बेहतरीन बचाव किया।

दूसरे हाफ में बेल्जियम की टीम पूरी तरह छाई रही। भारत की रक्षात्मक रुख अपनाने की रणनीति भारी पड़ी। बेल्जियम को 37वें मिनट में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले जिसमें से अंतिम को हेलेन ने गोल में बदला और अपनी टीम को बराबरी दिलाई। एंब्रे, हेलेन और चार्लोट ने इसके बाद पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर बेल्जियम की 5–1 से जीत सुनिश्चित की। भारतीय टीम रविवार को बेल्जियम से दोबारा भिड़ेगी।

सबालेंका ने बर्लिन ओपन में रिबाकिना को हराया

स्पोर्ट्स डेस्क। सबालेंका का अगला मुकाबला मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगा, जिन्होंने ओन्स जाबेउर को 6–4, 6–1 से हराया। हाले टेनिस टूर्नामेंट में अस्वस्थ होने के बावजूद ज्वेरेव क्वार्टर फाइनल में फ्लेवियो कोबोली को 6–4, 7–6 से हराने में सफल रहे। एरिना सबालेंका ने बर्लिन ओपन के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और चार मैच प्वाइंट बचाकर एलिना रिबाकिना को 7–6, 3–6, 7–6 से मात दी। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका अंतिम सेट के टाईब्रेक में 6–2 से पीछे थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी की तथा लगातार छह अंक जीतकर सत्र के अपने आठवें सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

सबालेंका का अगला मुकाबला मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगा, जिन्होंने ओन्स जाबेउर को 6–4, 6–1 से हराया। लियुडमिला सैमसोनोवा ने भी अमांडा अनिसिमोवा पर 6–1, 6–1 से जीत हासिल की। उनका अगला मुकाबला वांग झिन्यू या पाउला बाडोसा से होगा।

सबालेंका का अगला मुकाबला मार्केटा वोंद्रोसोवा से होगा, जिन्होंने ओन्स जाबेउर को 6–4, 6–1 से हराया। लियुडमिला सैमसोनोवा ने भी अमांडा अनिसिमोवा पर 6–1, 6–1 से जीत हासिल की। उनका अगला मुकाबला वांग झिन्यू या पाउला बाडोसा से होगा।

अस्वस्थ होने के बावजूद जीते ज्वेरेव

हाले टेनिस टूर्नामेंट में अस्वस्थ होने के बावजूद ज्वेरेव क्वार्टर फाइनल में फ्लेवियो कोबोली को 6–4, 7–6 से हराने में सफल रहे। ज्वेरेव ने पांचवीं बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। ज्वेरेव पांचवें ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने इस टूर्नामेंट में पांच या अधिक बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। उनसे पहले रोजर फेडरर, येवगेनी काफेलनिकोव, फिलिप कोहलश्राइबर और टॉमी हास ने यह उपलब्धि हासिल की थी। ज्वेरेव का सामना अपने सबसे पुराने प्रतिद्वंद्वियों में से एक डेनिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एलेक्स मिशेलसन को 6–4, 6–3 से हराया। दूसरा सेमीफाइनल अलेक्जेंडर बुब्लिक और करेन खाचानोव के बीच खेला जाएगा। बुब्लिक ने टॉमस माचैक को 7–6, 6–3 से, जबकि खाचानोव ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6–3, 6–2 से हराया था।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

आर्यना सबालेंका ने मांगी कोको गाफ से मांगी

स्पोर्ट्स डेस्क।शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने कहा कि इस महीने रोलां गैरो पर उनके खिलाफ गॉफ की 6–7(5), 6–2, 6–4 की जीत के बाद उनकी टिप्पणी एक गलती थी। पेरिस में मैच के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में सबालेंका ने सुझाव दिया था कि यह परिणाम गॉफ के प्रदर्शन की तुलना में उनकी अपनी गलतियों के कारण अधिक था।

आर्यना सबालेंका ने कोको गॉफ से पत्र लिखकर माफी मांगी है। उन्होंने इसकी जानकारी खुद दी। उन्होंने कहा कि फ्रेंच ओपन के फाइनल में अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी से हारने के बाद की गई 'गैर पेशेवर' टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है।

यूरोस्पोर्ट जर्मनी से बात करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने कहा कि इस महीने रोलां गैरो पर उनके खिलाफ गॉफ की 6–7(5), 6–2, 6–4 की जीत के बाद उनकी टिप्पणी एक गलती थी। पेरिस में मैच के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में सबालेंका ने सुझाव दिया था कि यह परिणाम गॉफ के प्रदर्शन की तुलना में उनकी अपनी गलतियों के कारण अधिक था।

सबालेंका ने कहा, 'यह मेरे लिए पूरी तरह से गैर पेशेवर था। मैंने अपनी भावनाओं को खुद पर हावी होने दिया। उस समय मैंने जो कुछ भी कहा उसके लिए मुझे बहुत खेद है। आप जानते हैं कि हम सभी गलतियां करते हैं। मैं भी एक इंसान हूं जो अब भी जीवन में सीख रहा है। मुझे लगता है कि हम सभी के पास ऐसे दिन होते हैं जब हम नियंत्रण खो देते हैं। लेकिन मैं यह भी कहना चाहती हूं कि मैंने कोको को बाद में लिखा था दृ तुरंत नहीं, लेकिन हाल ही में।' सबालेंका ने 37 विनर्स लगाए थे लेकिन गॉफ की 30 सहज गलतियों की तुलना में 70 सहज गलतियां की।